मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 25 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण शुक्ल 13 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 342 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ बुजुर्ग बोझ नहीं, समाज में अनुभव की संपदा हैं

सलमान खान ने की बटवारा 1947 और सनी देओल की तारीफ ◂◂ 6

ईरबा में जंगली हाथियों का उत्पात, युवक को कुचला

गुलाम शाहिद

रांची: राजधानी रांची के ईरबा इलाके में एक बार फिर जंगली हाथियों का उत्पात शुरू हो गया है। मंगलवार को जंगली हाथियों ने एक युवक को कुचलकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक को इलाज के लिए मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति अत्यंत चिंताजनक बतायी जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, घायल युवक की पहचान इफ्तखार अंसारी के रूप में हुई है। वह ईरबा के मदरसा मोहल्ले का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों में जंगली हाथियों के लगातार क्षेत्र में आने को लेकर भय बना हुआ है।

स्थानीय लोगों ने वन विभाग से हाथियों के उत्पात पर तत्काल रोक लगाने और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। वहीं, घटना के बाद वन विभाग की गतिविधियों पर भी लोगों की नजर बनी हुई है।

जरमुंडी विधायक के घर से कुक का शव बरामद, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

दुमका: जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के नोनीहाट में देर रात को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 28 वर्षीय सोनू राउत, पिता अनिल राउत, ग्राम दोयम तेलियाडीह, थाना सारवां, जिला देवघर निवासी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सोनू राउत जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर के घर पर खाना बनाने का काम करता था। वह डाक बंगला परिसर में रहकर काम करता था।

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका :बताया जाता है कि सोमवार सुबह उसने सभी के लिए नाश्ता तैयार किया था। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया। दोपहर का भोजन बनाने के समय जब उसकी तलाश की गई तो वह कहीं दिखाई नहीं दिया। काफी खोजबीन के बाद उसके कमरे में शव मिला, जो सोनू राउत का था।

घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ नवल किशोर सिंह के नेतृत्व में हंसडीहा एवं रामगढ़ थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों की उपस्थिति में कमरे का दरवाजा खुलवाकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर, मृतक के परिजनों ने युवक की हत्या करने की आशंका जताई है। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

एसडीपीओ नवल किशोर सिंह ने बताया कि विधायक के घर से एक युवक का शव बरामद हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मामला आत्महत्या है या हत्या। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

7 साल बाद भारत आएंगे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग,ब्रीक्स समिट में 400 अधिकारियों के साथ लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली : भारत और चीन के बीच लंबे समय से जारी तनाव के बीच एक बड़ी कूटनीतिक खबर सामने आई है। सात साल के बड़े अंतराल के बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर भारत दौरे पर आ रहे हैं। सूत्रों के हवाले से मिली पुख्ता जानकारी के मुताबिक, शी जिनपिंग अगले महीने नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शिरकत करेंगे। साल 2020 में हुई हिंसक सीमा झड़प के बाद से दोनों देशों के रिश्तों में आई भयंकर कड़वाहट के बीच इस उच्च स्तरीय दौरे को द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के एक नए संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

400 अधिकारियों का होगा जंबो प्रतिनिधिमंडलः इस अहम दौरे के लिए चीन की तरफ से बड़े पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं। बताया जा रहा है कि शी जिनपिंग के साथ लगभग 400 अधिकारियों का एक विशाल प्रतिनिधिमंडल भारत आएगा। इससे पहले साल 2019 में जब शी भारत आए थे, तब उनके साथ 200 से भी कम अधिकारी मौजूद थे। मामले की सीधी जानकारी रखने वाले भारतीय सूत्रों के अनुसार, चीनी अधिकारी इस दौरे को लेकर राजधानी के होटलों की बुकिंग और सुरक्षा प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने में पूरी तरह से व्यस्त हैं।

सीमा विवाद सुलझाने पर टिकी होंगी नजरें: इस शिखर सम्मेलन के दौरान दुनिया भर की नजरें इस बात पर टिकी होंगी कि बीजिंग और नई दिल्ली सीमा विवाद को लेकर क्या साझा रुख अपनाते हैं। दशकों से शांत रही हिमालयी सीमा पर 2020 की हिंसक झड़पों के बाद से हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए थे। हालांकि, सेनाओं के पीछे हटने के हालिया समझौते (डिसइंगेजमेंट पैक्ट) के साथ यह सैन्य गतिरोध कुछ कम हुआ है। इसी बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी सीमा विवाद पर अहम बातचीत के लिए बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक कर रहे हैं।

ब्रिक्स को मजबूत करने की साझा वैश्विक रणनीति: भले ही भारत और चीन एशिया में एक-दूसरे के कड़े रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर दोनों के हित कई जगह मिलते हैं। विशेषकर अमेरिकी व्यापार नीतियों के दबाव के कारण दोनों देश ब्रिक्स को एक मजबूत ढाल के रूप में देखते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने भी स्पष्ट किया है कि चीन ब्रिक्स सहयोग को अत्यधिक महत्व देता है और भारत की अध्यक्षता में इस सम्मेलन की सफलता का पूर्ण समर्थन करता है। शी जिनपिंग का इस सम्मेलन में शामिल होना इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कोई भी देश बाहरी दबाव के कारण इस बड़े मंच को कमजोर नहीं पड़ने देना चाहता।

ऊना के पीरनिगाह में बड़ा हादसा, 14 टायरी ट्रक पलटने से 50 लोग घायल

ऊना: हिमाचल के ऊना जिला में मंगलवार सुबह दर्दनाक हादसा पेश आया है, जिसमें 50 लोग घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार करनाल के इंद्री गांव से पीरनिगाह मंदिर में लंगर लगाकर वापस श्रीनयनादेवी मंदिर में माथा टेकने जा रहे श्रद्धालओं से भरा 14 टायरी ट्रक पलट गया, जिसमें 50 के करीब लोग घायल हो गए। हादस पीरनिगाह मंदिर से करीब दो किलोमीटर दूर उतराई पर हुआ।

चालक ने ट्रक से अचानक नियंत्रण खो दिया और गाड़ी पलट गई। घायलों में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हैं, जिन्हें क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में भर्ती करवाया गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर घायलों को वाहन से बाहर निकाला गया। इसके बाद सभी घायलों को उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

चतरा में पुलिस और राहुल दुबे गैंग के बीच मुठभेड़, एक अपराधी को लगी गोली

चतरा:टंडवा कोयलांचल में मंगलवार तड़के पुलिस और राहुल दुबे गैंग के सदस्यों के बीच मुठभेड़ हो गई। टंडवा थाना क्षेत्र में करीब सुबह 3 बजे से 5 बजे के बीच हुई मुठभेड़ में गैंग का एक कथित अपराधी गोली लगने से घायल हो गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

मुठभेड़ के दौरान गोली लगने के बाद घायल अपराधी को पुलिस ने तत्काल कब्जे में लेकर प्राथमिक उपचार कराया। हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

बताया जा रहा है कि हजारीबाग पुलिस द्वारा राहुल दुबे गैंग के खिलाफ लगातार दबिश और कार्रवाई के बाद गैंग से जुड़े अपराधी इधर-उधर भाग रहे हैं। इसी क्रम में टंडवा थाना क्षेत्र में पुलिस को गैंग के सदस्यों के मौजूद होने की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। इसी दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। सुबह-सुबह गोलियों की आवाज से टंडवा कोयलांचल में हड़कंप मच गया। पुलिस की कार्रवाई के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

जेपीएससी फर्जीवाड़ा केस

पूर्व अध्यक्ष एल.ख्यांगते समेत पांच आरोपियों की जमानत पर अगली सुनवाई एक सितंबर को

संवाददाता

रांची: 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में कथित फजीवाड़े और अनियमितता के मामले में झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव और पूर्व जेपीएससी अध्यक्ष एल ख्यांगते समेत पांच आरोपियों की जमानत याचिका पर आज रांची सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार की अदालत में हुई सुनवाई के दौरान फिलहाल आरोपियों को कोई राहत नहीं मिली। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 1 सितंबर की तारीख तय की है।

सीआईडी ने कोर्ट में पेश की केस डायरी: इस मामले में एल ख्यांगते के अलावा अभय कुमार तिवारी, श्वेता गुप्ता, सुमन सौरव और उमेश कुमार की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सीआईडी की ओर से अदालत में केस डायरी पेश की गई। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय कुमार के

मुताबिक, अभियोजन पक्ष ने केस डायरी देखने और अपना जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से कुछ और समय मांगा। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 1 सितंबर की तारीख तय कर दी।

10 अगस्त को हुई थी एल ख्यांगते की गिरफ्तारी: 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में कथित गड़बड़ी की जांच सीआईडी कर रही है। जांच के दौरान सीआईडी ने 10 अगस्त को जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार किया था। इससे पहले 22 जुलाई को अभय कुमार तिवारी को गोड्डा से गिरफ्तार किया गया था। अभय कुमार तिवारी गोड्डा में खाद्य आपूर्ति विभाग में तैनात थे। जांच में उसके टीडीपीएल से जुड़े होने की बात भी सामने आई है। आरोप है कि टीडीपीएल में रहने के दौरान उसने चार बार जेपीएससी की परीक्षा पास की थी। वहीं, श्वेता गुप्ता जेपीएससी में उप परीक्षा नियंत्रक के पद पर काम कर रही थीं। जांच के मुताबिक, दूसरे विभाग में तबादला होने के बाद भी वह करीब दो महीने तक जेपीएससी में बनी रही थीं।

जेपीएससी दफ्तर में भी हुई थी छापेमारी: 14वीं जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर सीआईडी ने कांड संख्या 16/2026 दर्ज किया है। 21 जुलाई को रांची पुलिस और सीआईडी की टीम ने जेपीएससी कार्यालय में छापेमारी की थी। इस दौरान जांच टीम ने कई दस्तावेजों और मामले से जुड़े दूसरे साक्ष्यों की पड़ताल की थी। इस केस में अब तक एल। ख्यांगते समेत दो दर्जन से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। सीआईडी पूरे मामले की जांच कर रही है और जांच के दौरान सामने आ रहे तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी : गिरफ्तारी के एक महीने बाद निलंबित की गयीं उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता

संवाददाता

रांची : जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी के मामले को लेकर झारखंड लोक सेवा आयोग की उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता निलंबित कर दी गयी हैं। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार विभाग ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। श्वेता गुप्ता फिलहाल रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद है। उन्हें जेपीएससी मामले की जांच कर रही सीआईडी ने 22 जुलाई को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वह जेल में हैं। गिरफ्तारी के एक महीने के बाद उन्हें निलंबित करने का आदेश जारी किया गया है। काफी समय तक उनके मामले की अधिकृत सूचना कार्मिक विभाग को नहीं मिली थी। ऐसे में उनका निलंबन लटका हुआ था। अब जाकर उन्हें निलंबित किया गया है। सामान्य मामले में सरकारी सेवक के गिरफ्तार होने या न्यायिक हिरासत में 48 घंटे होने पर निलंबित कर देने का नियम है।

श्वेता गुप्ता फिर जेपीएससी में उप परीक्षा नियंत्रक नियुक्तः श्वेता गुप्ता झारखंड प्रशासनिक सेवा की अधिकारी हैं। वह इसके पूर्व भी जेपीएससी में उप परीक्षा नियंत्रक के पद पर थीं। दो साल से अधिक इस पद पर रहने के बाद उनका तबादला खाद्य आपूर्ति विभाग में किया गया था। वह खाद्य आपूर्ति विभाग में योगदान नहीं कर रहीं थी, तब कार्मिक विभाग ने उन्हें पत्र लिख कर योगदान करने को कहा।

जेपीएससी में प्रतिनियुक्ति के 13 दिन बाद गिरफ्तारीः कार्मिक विभाग के आदेश के बाद उन्होंने खाद्य आपूर्ति विभाग में योगदान दिया था, लेकिन योगदान के बाद ही उन्हें फिर जेपीएससी में प्रतिनियुक्त कर दिया गया। उन्हें अभी 15 दिनों के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था। अभी उनकी प्रतिनियुक्ति अवधि को 13 ही दिन हुए थे और वह गिरफ्तार हो गयीं।

जेपीएससी 14वीं सिविल सेवा पीटी फर्जीवाड़ा मामले की जांच तेज

1.10 करोड़ लेकर बुद्धेश्वर को पीटी पास करने वाले 11 अभ्यर्थियों से होगी पूछताछ

संवाददाता

रांची : जेपीएससी 14वीं सिविल सेवा पीटी में फजीर्वाड़े की परतें लगातार खुल रही हैं। अब सीआईडी जांच का दायरा उन अभ्यर्थियों तक पहुंच गया है, जिन्होंने दलालों के जरिए मोटी रकम देकर पीटी पास की थी। एजेंट बुद्धेश्वर भगत से पूछताछ में हुए खुलासे के बाद अब सीआईडी उन 11 अभ्यर्थियों का बयान दर्ज करने की तैयारी में है, जिनसे 10-10 लाख रुपए वसूले थे। इस लेनदेन की पुष्टि के बाद अब इन अभ्यर्थियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इनमें से दो अभ्यर्थी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। अब नौ अभ्यर्थियों को जल्दी ही समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

जिन अभ्यर्थियों को पैसे लेकर पास कराए गए थे, उनमें कपिल कुमार महतो, संतोष कुमार, वंदना कुमारी, दिलीप कुमार राणा, ओमप्रकाश राणा, शिवम सिंह, पवन कुमार मुंडा, रॉकी सचिन लकड़ा, रोशन केरकेट्टा, उमाकांत उरांव और एक अन्य अभ्यर्थी शामिल हैं। इनमें से रोशन केरकेट्टा और उमाकांत उरांव की की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। उनका बयान भी दर्ज हो चुके हैं।

एनएचएम में नौकरी के दौरान मास्टरमाइंड अभय तिवारी से जुड़ा था बुद्धेश्वर भगतः जांच में पता चला है कि लोहरदगा निवासी बुद्धेश्वर भगत नामकुम स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) में संविदा पर कार्यरत था। वहीं वह धांधली के मास्टरमाइंड अभय तिवारी के संपर्क में आया। अभय जेपीएससी की परीक्षा एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) का मार्केटिंग मैनेजर था। वही अभ्यर्थियों को पास कराने का ठेका लेता था और मोटी रकम वसूलता था। फिर रकम का हिस्सा सिंडिकेट से जुड़े लोगों में बंटता था। सीआईडी ने बुद्धेश्वर भगत को रिमांड पर लेकर पूछताछ की है। इसमें उसने सिंडिकेट के प्रमुख सदस्यों, अफसरों और बिचौलियों का नाम उजागर किया है। सीआईडी अब इसका सत्यापन कर रही है।

खाटू धाम तीर्थ यात्रा समिति के तत्वावधान में 61 तीर्थयात्रियों की यात्रा संपन्न

मेट्रो रेज

रांची : खाटू धाम तीर्थ यात्रा समिति के तत्वावधान में 61 तीर्थ यात्रियों का जत्था सात दिन की यात्रा विभिन्न तीर्थ स्थलों के दर्शन के पश्चात हुआ सम्पन्न। यह यात्रा समिति के संस्थापक संतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष राजकमल सिंह उर्फ पिंटू सिंह, महामंत्री राहुल कुमार सिंह कोषाध्यक्ष नीतू सिंह के नेतृत्व में 18 अगस्त 2026 को रांची से नई दिल्ली के लिए गरीब रथ से प्रस्थान किया। जो 24 अगस्त को विभिन्न तीर्थ स्थलों का दर्शन कर पुनः रांची आगमन कर संपन्न किया गया। इस दरम्यान यूपी वृंदावन के प्रेम मंदिर, श्री कृष्ण जन्मभूमि स्थल, कालिया नाग घाट, यमुना आरती, मथुरा के श्री कृष्ण जन्मभूमि स्थान, राधा रानी बरसाने मंदिर, नंदगांव मंदिर, बांके बिहारी मंदिर, राजस्थान के दौसा जिले स्थित मेहंदीपुर वाले बालाजी मंदिर, तीन पहाड़ शक्तिपीठ स्थल, सीकर जिले के खाटू श्याम मंदिर, चुरू जिले के सालासर बालाजी मंदिर, झुंझुनू जिले रानी सती मंदिर, एवम दिल्ली के छतरपुर मंदिर का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जहां जगत की माता रानी एवम पूर्ण जगत के स्वामी के दरबार में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। इस पुनीत यात्रा में मुख्य रूप से राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, धर्मपत्नी समाजसेवी रूबी सिंह, थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह धर्मपत्नी... झारखंड विधानसभा के सच्चिदानंद सिंह, धर्मपत्नी, दिलीप सिंह, धर्मपत्नी गुड़िया सिंह, सुजीत कुमार सिंह, रेखा सिंह सहित कई अन्य यात्री शामिल रहे। इस अवसर पर राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, समिति के संस्थापक संतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष राजकमल सिंह उर्फ पिंटू सिंह, महामंत्री राहुल कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष नीतू सिंह एवं थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से जगत की माता रानी एवं जगत के स्वामी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए कहा कि पौराणिक मंदिरों की भव्यता और अलौकिक नजारा देखते हीं बनता है। हम सब तो कठपुतली हैं माता रानी व जगत के स्वामी जहां बुलाएं, वहां खींचे चले जाते हैं,, ईश्वर की महिमा का बखान शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। कहा कि ईश्वर के दरबार में पहुंचना किसी सौभाग्य से कम नहीं है। इंसान अपनी ओर से लाख कोशिश कर ले लेकिन जब तक माता रानी व स्वामी की इच्छा नहीं होती, तब तक उनके दरबार तक पहुंचना संभव नहीं होता। उन्होंने कहा कि ईश्वर की महिमा इतनी व्यापक है कि वह अपने भक्तों पर हमेशा कृपा बनाए रखते हैं, और उनके जीवन में आने वाली कठिन परिस्थितियों में उनका मार्गदर्शन करते हैं। कहा कि ईश्वर के दरबार में आने के बाद मन को शांति मिलती है, और एक अलग तरह की सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव प्राप्त होता है। दरबार में आने वाले हर भक्त/ श्रद्धालु अपनी आस्था प्रकट करने और समस्याओं से निजात पाने के लिए जाते हैं। तथा अपनी श्रद्धा ईश्वर के चरणों में समर्पित करता है, और अपने परिवार की सुख शांति एवं समृद्धि की कामना करता है।

झारखंड सरकार युवाओं को देगी एयर होस्टेस का प्रशिक्षण

संवाददाता

रांची : झारखंड में युवाओं के लिए एयर होस्टेस, फ्लाइट स्टीवर्ट और ग्राउंड क्रू का रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण शुरू होने जा रहा है। नागर विमानन प्रभाग के अंतर्गत संचालित झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के एयर होस्टेस एवं ग्राउंड क्रू ट्रेनिंग प्रभाग की ओर से डिप्लोमा इन एविएशन एंड मैनेजमेंट पाठ्यक्रम के लिये चयन साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। इस प्रक्रिया के बाद चयनित अभ्यर्थियों की प्रथम वरीयता सूची अगस्त के अंतिम सप्ताह में झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जा सकती है।

अगले माह से प्रशिक्षण की संभावनाः चयनित अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण अगले माह से शुरू होने की संभावना है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य राज्य के युवाओं को विमानन क्षेत्र में रोजगार के लिए व्यावसायिक एवं उद्योग-उन्मुख कौशल उपलब्ध कराना है। चयन साक्षात्कार में बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया। चयन प्रक्रिया के दौरान अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता अंग्रेजी, आत्मविश्वास और विमानन क्षेत्र के प्रति रुचि का मूल्यांकन किया गया। प्रक्रिया को निर्धारित मानकों के अनुरूप निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरा किया गया।

एयरलाइंस से लेकर एयरपोर्ट तक अवसर : झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट के प्रबंध निदेशक कैप्टन एसपी सिन्हा ने कहा कि देश में विमानन क्षेत्र का विस्तार होने के साथ रोजगार की संभावनाएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में राज्य के युवाओं को झारखंड में ही गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें विमानन उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना संस्थान की प्राथमिकता है। एयर होस्टेस, फ्लाइट स्टीवर्ट और ग्राउंड क्रू के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के लिए एयरलाइंस, एयरपोर्ट, ग्राउंड हैंडलिंग व एविएशन हॉस्पिटैलिटी समेत विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अवसर उपलब्ध हो सकते हैं।

बरियातू के अल्ट्रासाउंड केंद्र पर स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई, मशीन सील

रांची : सिविल सर्जन, रांची डॉ. अमरेन्द्र प्रसाद के निर्देश पर प्रसव पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम (पीसी एंड पीएनडीटी) के प्रभावी अनुपालन तथा अवैध रूप से अल्ट्रासाउंड जांच पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय निरीक्षण टीम ने रांची के रिम्स चौक, बरियातू स्थित फर्स्ट पॉइंट डायग्नोस्टिक सेंटर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण टीम में डॉ तवा रिजवी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण सिंह सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे। जिला समुचित प्राधिकारी के निर्देश पर किए गए निरीक्षण के दौरान केंद्र में अल्ट्रासाउंड मशीन खुली अवस्था में पाई गई। जांच कराने के लिए मरीज भी केंद्र पर मौजूद थे। हालांकि, संबंधित चिकित्सक डॉ सुहास टेटरवे निरीक्षण के समय केंद्र पर उपस्थित नहीं थे।

चिकित्सक की अनुपस्थिति में अल्ट्रासाउंड मशीन का खुला रहना पीसी एंड पीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में गर्भवती महिलाओं से संबंधित अभिलेख पंजिका का भी समुचित रूप से संधारण नहीं किया जा रहा था।

डॉक्टर दुर्गा चरण सिन्हा से मांगी की गई पांच करोड़ की रंगदारी, मामला दर्ज

संवाददाता

रांची : अशोक नगर निवासी डॉक्टर दुर्गा चरण सिन्हा को फोन कर पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। डॉक्टर की शिकायत पर अरगोड़ा थाना में 23 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस कॉल डिटेल, बातचीत की रिकार्डिंग और मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी है।

डॉक्टर के अनुसार, 29 जुलाई की रात एक अज्ञात नंबर से 42 बार कॉल और मिस्ड कॉल आए। 30 जुलाई को उसी नंबर से कॉल आई, जिसे डॉक्टर की पत्नी संगीता सिन्हा ने उठाया। कॉलर ने खुद को अरगोड़ा निवासी बताते हुए कहा कि उसका भाई बिड़ला कंपनी में जीएम है और कंपनी के लिए डॉक्टर की पोढ़ा स्थित पैतृक जमीन खरीदना चाहता है। उसने डॉक्टर के घर का पता जानने की कोशिश की, लेकिन पत्नी ने पता नहीं दिया। आरोपी ने बताया कि उसे यह नंबर सिसई के एक कर्मचारी से मिला है। 31 जुलाई को 22 कॉल आईं, जिन्हें डॉक्टर ने रिसीव नहीं किया। 2 अगस्त की सुबह जब डॉक्टर ने कॉल उठाया, तो आरोपी ने नाम पूछते ही लोहरदगा में गोली मारने की धमकी दी।

इसके बाद दोपहर में डॉक्टर ने 17 सेकेंड और 1 मिनट 10 सेकेंड की दो बातचीत रिकॉर्ड की, जिसमें आरोपी ने जान से मारने की धमकी देते हुए 5 करोड़ की मांग की। अरगोड़ा थानेदार सतीश कुमार गोराई ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। रिकॉर्डिंग और कॉल डेटा के जरिए मोबाइल धारक और कॉल के स्रोत की पहचान की जा रही है, आरोपी जल्द गिरफ्त में होगा।

आरोपी ने सफाईकर्मी से लिया है डॉक्टर का फोन नंबरः शिकायत में बताया गया है कि आरोपी ने सिसई के एक सफाईकर्मी से डॉक्टर का मोबाइल नंबर लिया था। डॉक्टर दुर्गा चरण सिन्हा ने पुलिस से आरोपी की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा आपनी और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। पुलिस मोबाइल नंबर और कॉल डिटेल के अलावा उपलब्ध रिकार्डिंग की जांच कर आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

आज से राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा

रांची : 41वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा 25 अगस्त से 08 सितंबर 2026 तक देश भर में आयोजित किया जा रहा है। सदर अस्पताल सभागार में मंगलवार को इसका विधिवत शुभारंभ हुआ। आम जनता को मृत्यु के पश्चात नेत्रदान के महत्व के बारे में शिक्षित करने के साथ ही समाज में नेत्रदान से जुड़े मिथकों और डर को समाप्त करना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के राज्य अंधापन नियंत्रण पदाधिकारी डॉ पंकज कुमार, सिविल सर्जन अमरेंद्र प्रसाद, उपाधीक्षक डॉ बिमलेश सिंह सहित, डॉ प्रितिश प्रनॉय सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक शामिल होंगे।

हर साल 20 हजार मामले बढ़ रहे : राज्य के आम लोगों में अंधापन की समस्या बढ़ रही है। विशेष रूप से युवा वयस्को को प्रभावित कर रहा है। पिछले साल प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में मात्र 148 नेत्रदान-प्रत्यारोपण हुआ है। हाल ही में संपन्न राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता सर्वेक्षण (2015-19) में कॉर्निया जनित अंधापन की व्यापकता अंधेपन के कुल मामलों के लगभग 7.4% तक बढ़ गयी है और इसमें प्रतिवर्ष 20000 की वृद्धि हो रही है। इस वर्ष 41वीं नेत्रदान पखवाड़ा आयोजित किया जाना है। जो विशेष रूप से युवा वयस्को को प्रभावित करता है।

तीन मेडिकल कॉलेज में स्थापित किया गया आई बैंक : राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम के तहत तीन मेडिकल कॉलेज जिनमें रिम्स, एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर एवं शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज, धनबाद में नेत्र अधिकोष स्थापित किया गया है।

हाथ में चाकू लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती, नीचे उतारने में जुटी पुलिस

पश्चिमी चंपारण : रक्सौल नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर एक स्थित बोधि माई मंदिर के पास एक युवती मोबाइल टावर पर चढ़ गई। टावर पर चढ़ी युवती की पहचान स्थानीय नजमुद्दीन अंसारी की पुत्री रूबी के रूप में की गई है। सूचना पर पहुंची हरैया पुलिस युवती को समझा-बुझाकर उतारने के प्रयास में जुटी है। युवती हाथ में धारदार चाकू लिए दिख रही है।

थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान, कुमारी बिट्टू, बलि राय, वार्ड पार्षद ओम कुमार साह सहित बड़ संख्या में लोग उपस्थित हैं। युवती के टावर पर चढ़ने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस व स्थानीय लोग उसे नीचे उतारने का प्रयास कर रहे हैं।

लंकास्टर अस्पताल परिसर में भीषण भू-धंसान, मचा हड़कंप

गिरिडीह : जिले के सीसीएल के लंकास्टर अस्पताल परिसर में भीषण भू-धंसान से सड़क फटी और भवन में दरारें आ गईं। प्रबंधन ने सुरक्षा के मद्देनजर परिसर में प्रवेश पर रोक लगा दी है।

सीसीएल की गिरिडीह कोलियरी स्थित लंकास्टर अस्पताल परिसर में मंगलवार की सुबह हुए भीषण भू-धंसान से हड़-कंप मच गया। घटना सुबह करीब तीन से चार बजे के बीच की बतायी जा रही है। भू-धंसान के बाद अस्पताल परिसर की सुरक्षा और क्षेत्र में संभावित अवैध कोयला खनन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गये हैं।

जीएम समेत अधिकारियों ने लिया स्थिति का जायजाः घटना की सूचना मिलते ही मंगलवार की सुबह सीसीएल गिरिडीह के जीएम केएस गैवाल, पीओ जीएस मीणा, सीएमओ डॉ परिमल सिन्हा, डॉ अनुराग कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

भू-धंसान से सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवालः भू-धंसान की चपेट में अस्पताल परिसर का एक बंद भवन भी आ गया है। भवन की दीवारों और छत में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गयी हैं। भवन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से उसकी सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गयी है। भू-धंसान की घटना ने एक बार फिर गिरिडीह कोलियरी क्षेत्र में जमीन के नीचे चल रही गतिविधियों और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिये हैं।

अस्पताल के बाहर भी भू-धंसान का असरः भू-धंसान का असर अस्पताल परिसर की ओर जाने वाली पक्की सड़क पर भी पड़ा है। सड़क कई जगह फट गयी है। बीच सड़क पर चौड़ी दरारें पड़ गयी हैं, जबकि कई हिस्सों में जमीन धंसने से आवागमन प्रभावित हो गया है। इससे अस्पताल परिसर की ओर जाने वाले लोगों के लिए खतरा बढ़ गया है।

अस्पताल परिसर में प्रवेश पर प्रबंधन ने लगायी रोकः घटना के बाद सीसीएल प्रबंधन ने एहतियातन अस्पताल परिसर में प्रवेश पर रोक लगा दी है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए वहां गार्ड तैनात किये गये हैं। महाप्रबंधक केएस गैवाल ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। भू-धंसान की वास्तविक स्थिति का आकलन कराया जा रहा है। स्थिति स्पष्ट होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

सीएम ने प्राकृतिक जल क्षेत्रों के संरक्षण व प्रबंधन का दिया निर्देश

झारखंड में हैं 2119 वेटलैंड, इसरो के एटलस के आधार पर सूची तैयार

संवाददाता

रांची: झारखंड में वेटलैंड यानी प्राकृतिक जल क्षेत्रों के संरक्षण को लेकर सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड राज्य वेटलैंड प्राधिकरण की पहली बैठक में राज्य के वेटलैंड की पहचान, सत्यापन, सीमांकन, नोटिफिकेशन और बेहतर प्रबंधन को लेकर कई अहम फैसले लिए गए। सरकार अब संभावित वेटलैंड का विस्तृत अध्ययन कर उनका रिकॉर्ड तैयार करेगी।

वेटलैंड संरक्षण को मिलेगी नई दिशा: मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में मौजूद सभी वेटलैंड की व्यवस्थित सूची तैयार की जाए और इसे समय-समय पर अपडेट किया जाए। साथ ही वेटलैंड का डिजिटल डेटाबेस तैयार कर उसे सुरक्षित रखने पर भी जोर दिया गया। सरकार का मकसद सिर्फ वेटलैंड की पहचान करना नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और वैज्ञानिक प्रबंधन की पूरी व्यवस्था तैयार करना है।

झारखंड में मिले 2119 संभावित वेटलैंड: बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इसरो से मिले एटलस के आधार पर झारखंड में 2119 संभावित वेटलैंड की सूची तैयार हुई है। अब इन सभी संभावित स्थलों का जिला स्तर पर भौतिक और तथ्यात्मक सत्यापन कराया जाएगा। इसके बाद राज्य स्तर पर इनकी पहचान और सीमांकन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा।

वेटलैंड ऐसे प्राकृतिक या मानव निर्मित क्षेत्र होते हैं, जहां जमीन पर स्थायी या मौसमी तौर पर पानी मौजूद रहता है। इसमें तालाब, झील, दलदली क्षेत्र, जलभराव वाले इलाके और कुछ खास तरह के नदी किनारे के क्षेत्र शामिल हो सकते हैं। ये क्षेत्र पानी को संजोने के साथ-साथ भूजल रिचार्ज, बाढ़ के प्रभाव को कम करने, पक्षियों और दूसरे जीव-जंतुओं को प्राकृतिक आवास देने तथा जैव विविधता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

अतिक्रमण और गतिविधियों पर रहेगी नजर: संभावित वेटलैंड के सत्यापन के दौरान वहां के मौजूदा हालात, जल स्रोत और आसपास की गतिविधियों की जानकारी जुटाई जाएगी। वेटलैंड नियमों का पालन सुनिश्चित करने के साथ अतिक्रमण रोकने और ऐसी गतिविधियों को नियंत्रित करने पर भी ध्यान दिया जाएगा, जिनसे वेटलैंड को नुकसान पहुंच सकता है। जिला स्तरीय समितियां अपनी रिपोर्ट राज्य वेटलैंड प्राधिकरण को सौंपेंगी।

डिमार्केशन के बाद होगा नोटिफिकेशन: मुख्यमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के निदेशों के अनुरूप चिन्हित वेटलैंड का डिमार्केशन यानी सीमांकन कराने और इसके बाद नोटिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी करने को कहा है। सरकार का मानना है कि संभावित वेटलैंड की पहचान से लेकर सत्यापन, सीमांकन, नोटिफिकेशन और मैनेजमेंट प्लान तैयार करने तक की पूरी प्रक्रिया जल क्षेत्रों को सुरक्षित रखने में अहम साबित होगी।

हर महत्वपूर्ण वेटलैंड का बनेगा मैनेजमेंट प्लान: सरकार अब महत्वपूर्ण वेटलैंड की मौजूदा स्थिति का भी रिकॉर्ड तैयार करेगी। इसमें जल स्रोत, आसपास की मानवीय गतिविधियां और समय के साथ हुए बदलावों की जानकारी शामिल होगी। इन आंकड़ों के आधार पर जरूरत के मुताबिक अलग-अलग वेटलैंड के लिए मैनेजमेंट प्लान तैयार किया जाएगा।

जल संकट और पर्यावरण संरक्षण पर फोकस: बैठक में वेटलैंड को सिर्फ जल क्षेत्र के तौर पर नहीं, बल्कि जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन के लिए भी जरूरी बताया गया। प्राकृतिक जल निकायों के संरक्षण और जीर्णोद्धार से जल संकट से निपटने में मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार वेटलैंड को राज्य के पर्यावरणीय संतुलन का महत्वपूर्ण आधार मान रही है।

वेटलैंड प्राधिकरण को मजबूत करने की तैयारी: बैठक में झारखंड राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के कामकाज को प्रभावी बनाने से जुड़े प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। टेंडर और प्रोक्योरमेंट से जुड़े प्रस्तावों की स्क्रीनिंग और अनुमोदन के लिए समिति बनाने, तकनीकी समिति के गठन और जनता की शिकायतों की सुनवाई के लिए अलग व्यवस्था तैयार करने पर विचार किया गया।

वेटलैंड प्राधिकरण के कार्यालय के संचालन के लिए जरूरी राशि, पर्याप्त बजट और मानव संसाधन उपलब्ध कराने से जुड़े प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। सरकार की कोशिश है कि वेटलैंड संरक्षण से जुड़े नियम सिर्फ कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि जमीन पर उनका प्रभावी तरीके से पालन हो।

डोरंडा विद्युत डिवीजन में बड़ी छापेमारी

ठेकेदार के घर से भारी मात्रा में सरकारी बिजली उपकरण बरामद, जांच में जुटी पुलिस

मेट्रो रेज

रांची : डोरंडा विद्युत डिवीजन क्षेत्र के हेसाग में सरकारी बिजली उपकरणों की कथित बरामदगी को लेकर विद्युत विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। आदिवासी छात्र संघ के अध्यक्ष संजय महली की शिकायत के बाद विभागीय अधिकारियों की टीम द्वारा बिजली विभाग के ठेकेदार अनवर अंसारी के घर पर छापेमारी की जा रही है।

छापेमारी के दौरान विभागीय टीम ने बड़ी मात्रा में विद्युत सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया है। बरामद सामानों में बिजली के तार, केबल, ट्रांसफॉर्मर, इंसुलेटर, एमसीबी बॉक्स, रेल पोल सहित कई अन्य विद्युत उपकरण शामिल बताए जा रहे हैं।

विभागीय सूत्रों के अनुसार बरामद सामग्री की कीमत करोड़ों रुपये में होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, वास्तविक कीमत और बरामद सामग्री के सरकारी होने की पुष्टि विभागीय जांच एवं दस्तावेजों के मिलान के बाद ही स्पष्ट होगी।

मौके पर विद्युत विभाग के अधिकारी और डोरंडा डिवीजन की टीम मौजूद है। अधिकारियों द्वारा बरामद सभी सामानों की गिनती, पहचान और सूची तैयार की जा रही है। साथ ही यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि सामग्री विभाग के किस भंडार या कार्यस्थल से संबंधित है और निजी परिसर में कैसे पहुंची।

कार्रवाई के दौरान कार्यपालक अभियंता प्रमोद कुमार गुप्ता, सहायक अभियंता सौरव कुमार, कनीय अभियंता सहित अन्य विभागीय कर्मी मौके पर मौजूद बताए गए हैं।

फिलहाल विभागीय टीम पूरे मामले की जांच में जुटी है। जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि बरामद सामग्री सरकारी संपत्ति है या नहीं और यदि सरकारी संपत्ति है तो उसे निजी परिसर में रखने के पीछे क्या वजह थी।

ताम्बुली हितैषी समिति की मासिक बैठक में लिये गये कई महत्वपूर्ण निर्णय

मुरी: ताम्बुली हितैषी समिति, सिल्ली की मासिक बैठक अध्यक्ष अशोक चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्यों ने विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए।बैठक में समिति के सम्मानित सदस्य स्व सुकुमार चौधरी एवं स्व संजीत चौधरी के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया।

वहीं, समिति की सिल्ली शाखा द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में देवाशीष चौधरी की समस्या के समाधान हेतु संबंधित कार्यालय में आवेदन देकर आवश्यक कार्रवाई कराने का भी निर्णय लिया गया। समिति ने सामाजिक हित में सक्रिय रूप से कार्य करने तथा जरूरतमंद लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग जारी रखने का संकल्प लिया।

शिव शंकर मुंडा बने भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक के प्रदेश अध्यक्ष

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) निवासी लोकप्रिय श्रमिक नेता शिव शंकर मुंडा को भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (महासंघ) इंटक का झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस संबंध में नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के सभागार में स्व राजीव गांधी की जयंती (सद्भावना दिवस) के अवसर पर आयोजित भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (महासंघ) इंटक की आठवीं अर्धवार्षिक सर्वसाधारण सभा में घोषणा की गई। उन्हें राष्ट्रीय निर्माण श्रमिक सेवा सम्मान से भी नवाजा गया।

श्री मुंडा के राजधानी रांची आगमन पर इंटक से जुड़े नेताओं-कार्यकताओं व शुभचिंतकों ने अभिनंदन किया।

इस अवसर पर श्री मुंडा ने कहा कि मजदूर हित के प्रति सदैव समर्पित रहेंगे। उनका प्रयास होगा कि मजदूरों को एक मंच पर लाकर उनके हितों के संरक्षण के लिए काम किया जाय। उन्होंने कहा कि झारखंड में संगठित और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को एकजुट करना उनकी प्राथमिकता होगी। नियोजकों से सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी व अन्य सुविधाएं मजदूरों को दिलाने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

उन्होंने कहा कि झारखंड के मजदूरों की माली हालत काफी खराब है। विशेषकर औद्योगिक क्षेत्र के कामगारों को एकजुट करना चुनौती है।

उन्होंने कहा कि मजदूरों के हित में बने कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए सरकारी व गैर-सरकारी नियोजकों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यरत रहेंगे।

इस अवसर पर राजेश सामंत, उमाशंकर परिहार, कृति दास महतो, प्रशांत वर्मा, अंकित कुमार शर्मा, सुमन कुमार, अजय कुमार, रवि तिर्की, सत्येंद्र कुमार, विमल बारला, मनीष कुमार, ऋषि राज, मोहन कुमार, संजीत सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

एकता कमेटी ने जरूरतमंदों को दिया व्हीलचेयर और वॉकर

मेट्रो रेज

रांची: सामाजिक संगठन भारतीय एकता कमेटी रांची के तत्वावधान में आज कुछ जरूरतमंदों के बीच व्हीलचेयर और वाकर का वितरण किया गया। इस अवसर पर भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि आज इंसानियत पर जो कार्यक्रम किया गया वह ईद मिलादुन्नबी हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के यौमे पैदाइश के अवसर पर किया गया। मानवता- इंसानियत से बड़ा कुछ भी नहीं होता है । हम सभी को इंसानियत -मानवता को बनाए रखना है बहुत दिनों से इन लोगों को कहा गया था के व्हीलचेयर और वाकर जरूर दिया जाएगा। वह आज पूरा कर दिया गया। उन्होंने जरूरतमंद लोगों को मिठाई खाने के लिए पैसे भी दिये। इस अवसर पर भारतीय एकता कमेटी के मुख्य सचिव रामेश्वर राम और बुलंद अख्तर जी ने कहा कि भारतीय एकता कमेटी का सामाजिक कार्य सराहनीय है 34, वर्षों से भारतीय एकता कमेटी शुभ कार्य करते आ रही है और आगे भी करते रहेगी झारखंड सरकार से और आम नागरिक गणों से अपील करता हूं कि भारतीय एकता कमेटी को हर संभव मदद करे। नेक काम, शुभ कार्य करते रहिए, नेकी कर दरिया में डाल सब नेकी जमा हो रहा है । इसका फल आपको जरूर मिलेगा । आज के इस शुभ कार्यक्रम में मुख्य सचिव रामेश्वर राम , बुलंद अख्तर, मनोहर लाल विजय वर्गीय, मोहम्मद सितारे भाई, मोहम्मद तौकीर पप्पू, मोहम्मद यूनुस और मोहम्मद सज्जाद व अन्य उपस्थित थे।

हजारीबाग नगर निगम,हजारीबाग
email - municipality_08@rediffmail.com

Short Notice Inviting Tender
Tender Reference No. - UDD/HMC/HZB/20/2026-27
Date : 24.08.2026

Name of the Work	Supply of Medicine at Urban Ayushman Arogya Mandir (UAAM) under Municipal Corporation, Hazaribag
Bid Document Fee (Rs.)	Rs 10,000.00 (Ten Thousand) Pay Online (Non-Refundable) at website http://jharkhandtenders.gov.in
Earnest Money	Rs. 1,00,000.00 (one Lakh) Pay Online at website http://jharkhandtenders.gov.in
Date of Publication of Tender on website	26.08.2026
Last Date/Time of receipt of bids online	11.09.2026 up to 5:00 P.M.
Bid Opening date	15.09.2026 at 11:00 A.M.
Name & Address of office inviting tender	Municipal Commissioner Municipal Corporation, Hazaribag.
Contact No. of Procurement officer	7004394602

NOTE :
• Only e-Tenders will be accepted.
•Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Municipal Commissioner
Municipal Corporation, Hazaribag
PR 388326 Urban Development and Housing(26-27).D

बरवाअड्डा थानेदार से गाली-गलौज

विधायक जयराम पर कार्रवाई की मांग धनबाद पुलिस का काम करने से इनकार

मेट्रो रेज

धनबाद/रांची: डुमरी विधायक जयराम महतो द्वारा बरवाअड्डा थाना प्रभारी के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार करने का मामला अब गहराता जा रहा है। इस घटना के विरोध में धनबाद जिला बल के पुलिस पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने एकजुट होकर विधायक के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

क्या है पूरा मामला? : जानकारी के अनुसार, विधायक जयराम महतो पर आरोप है कि उन्होंने धनबाद के बरवाअड्डा थाना प्रभारी को फोन करके उनके साथ गाली-गलौज की और धमकी दी। इस बातचीत का एक कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आरोप है कि विधायक ने थाना प्रभारी को यह धमकी भी दी कि सत्ता बदलने पर इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा।

पुलिसकर्मियों का फूटा गुस्सा : इस घटना के बाद धनबाद के पुलिसकर्मियों में भारी रोष है। पुलिसकर्मियों का साफ तौर पर कहना है कि वे अपने परिवार के भरण-पोषण और सम्मान के साथ नौकरी करने आए हैं, किसी जनप्रतिनिधि से गाली सुनने या धमकियां झेलने नहीं। आक्रोशित पुलिसकर्मियों ने विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे काम बंद कर देंगे और ड्यूटी करने से पूरी तरह इनकार कर देंगे।

विधायक की सदस्यता रद्द करने की मांगः प्रदर्शन कर रहे पुलिसकर्मियों ने प्रशासन और शासन से सख्त रुख अपनाने की अपील की है। उनकी मुख्य मांगें है कि विधायक जयराम महतो पर कानूनी कार्रवाई की जाए। जनप्रतिनिधि के इस आचरण को देखते हुए उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त की जाए। पुलिसकर्मियों के बढ़ते आक्रोश और कार्य बहिष्कार की चेतावनी को देखते हुए एसएसपी समेत जिले के कई सीनियर पुलिस पदाधिकारी तुरंत हरकत में आए। उच्च अधिकारी पुलिस लाइन पहुंचे और आक्रोशित पुलिसकर्मियों से बातचीत कर मामला शांत कराने तथा उन्हें समझाने-बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल इलाके में प्रशासनिक हलचल तेज है और इस मामले पर पुलिस संघ के अगले कदम पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

सरयू राय से मिला दरगाह का प्रतिनिधिमंडल, उर्स का दिया आमंत्रण

गुलाम शाहिद

रांची: हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा दरगाह मजार शरीफ के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा के वरिष्ठ विधायक सरयू राय से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त रूप से 219वें उर्स मुबारक का आमंत्रण पत्र उन्हें भेंट किया। उर्स का आयोजन 27 से 31 अगस्त 2026 तक किया जाएगा।प्रतिनिधिमंडल में दरगाह के सदर अयूब गद्दी, सह-सचिव जुल्फेकार अली (भुट्टो), युवा झारखंड फाउंडेशन के अध्यक्ष अरशद कुरैशी और डोरंडा मिल्लत पंचायत के सचिव आतिफ अंसारी (सोनू) शामिल थे।

मुलाकात के दौरान उर्स मुबारक की तैयारियों और आयोजन को लेकर सौहार्दपूर्ण माहौल में चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने उर्स में शामिल होने के लिए सरयू राय को आमंत्रित किया।

दरगाह की ओर से कहा गया कि हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा की बारगाह में उर्स मुबारक के दौरान सभी अकीदतमंदों का इस्तकबाल है।

झारखण्ड सरकार
पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गुमला
(दूरभाष–06524–223092,(मो0)9431706376,
E-mail Id- sp-gumla@jhpolice.gov.in)

(गुमशुदा की तलाश)

उम्र–14 वर्ष, वर्तमान उम्र–26 वर्ष, लंबाई–करीब 110 से.मी., वजन–करीब 40 कि.ग्रा. बाल–लम्बा एवं काला, आँख–सामान्य, रंग–साँवली, शारीरिक बनावट–सामान्य, पहनावा–सफेद शर्ट एवं लाल फराक।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पीड़िता मुक्ता टोप्पो, उम्र–14 वर्ष, पे0–स्व0 इंजीनियुस टोप्पो ग्राम–पुण्डी, थाना–जारी, जिला–गुमला (झारखण्ड) जो माह अप्रैल 2014 दिल्ली से लापता है, जिसे अंतिम बार रोहतक (हरियाणा) में देखा गया था। इस संबंध में अहतु थाना कांड सं0–14/21 दिनांक–28.08.21 दर्ज कर खोजबीन किया जा रहा है। **पीड़िता का आधार नं0 xxxx-10148-9996** है। इनकी खोजबीन हेतु जनता का सहयोग अपेक्षित है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि उपरोक्त पीड़िता मुक्ता टोप्पो, उम्र–14 वर्ष के बारे में कोई पहचान/जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक का कार्यालय गुमला या निम्नांकित मो0 नं0 पर संपर्क कर इसकी सूचना दे सकते है।

1. पुलिस अधीक्षक गुमला – 9431706376
2. पुलिस उपाधीक्षक (मु0) गुमला। – 9471182113
3. अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी गुमला – 9431706202
4. थाना प्रभारी, अहतु – 8986604606

ह0/–
PR 388282 Police Wireless Headquarter(26-27)#D पुलिस अधीक्षक, गुमला

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

पेपर लीक के मामलों में लीक से अलग सोचें

पेपर लीक के बाद किसी परीक्षा की पूरी प्रक्रिया को ही रद्द कर देना, बढ़ते विवाद को रोकने का आसान रास्ता है। आमतौर पर सरकारें यही आसान रास्ता अपनाती हैं और अदालतों के पास भी यही विकल्प बचता है। ऐसा होने पर उन बहुसंख्यक अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हो जाता है, जो न तो पेपर लीक करने या उससे फायदा उठाने में किसी भी तरह से दोषी होते हैं, न ही उस सिस्टम के लिए जिम्मेदार जिसकी वजह से परीक्षाओं में भ्रष्टाचार होता है। सिस्टम को ठीक किए बिना इस बात की गारंटी नहीं ली जा सकती कि दोबारा होने वाली परीक्षा में सब कुछ ठीक रहेगा। वर्तमान परीक्षा में भ्रष्टाचार का मामला सामने आने के बाद पूर्व में हो चुकी परीक्षाओं को भी रद्द करने का फैसला तो और भी अतार्किक लगता है। यदि सरकार ने मान लिया कि पूर्व परीक्षाओं में भी भ्रष्टाचार हुआ, तब भी बिना किसी जांच के यह कैसे पता चला कि यह कब से हो रहा था? झारखंड लोक सेवा आयोग का 22 भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने का फैसला और झारखंड हाई कोर्ट द्वारा इस फैसले पर रोक लगाने का आदेश, 'नीट' विवाद के बाद फिर नई चर्चा में है। खासकर इसलिए भी कि झारखंड सरकार ने जिन परीक्षाओं को रद्द किया था, उन्हें पास करने वाले ऐसे अभ्यर्थी भी थे जिनकी सालों पहले नियुक्ति हो चुकी थी। जाहिर है, कुछ अभ्यर्थियों के साथ हुए अन्याय का समाधान एक दूसरे, बड़े समूह के साथ अन्याय करके नहीं हो सकता, जब तक यह साबित न हो जाए कि नियुक्त होने वाला पूरा समूह ही दोषी है। ऐसे मौकों का राजनीतिक इस्तेमाल करने और उसे रोकने के लिए सरकार और विपक्ष का आमने-सामने आना स्वाभाविक है। लोकतंत्र में ऐसे टकराव व्यवस्था में सुधार का दबाव बनाते हैं, जैसा नीट के मामले में भी दिखा था - सरकार को सुधार के लिए कई नए कदम उठाने पड़े। हालांकि वे कितने कारगर होंगे, यह समय ही बताएगा। परीक्षाओं और नियुक्तियों को रद्द करने के फैसले को आंदोलनकारी विद्यार्थियों की जीत भले ही माना जाए, पर यह समस्या का स्थायी समाधान नहीं है।

अव्वल तो हर परीक्षा फुलप्रूफ होनी चाहिए। लेकिन यदि कभी परीक्षा में कदाचार के मामले सामने आ भी जाएं, तो ज्यादा जरूरी उससे फायदा उठाने वालों की पहचान करना होना चाहिए। इसमें शक नहीं कि आधुनिक तकनीकी युग में लीक हुए प्रश्नपत्रों को सेकंडों में बड़े समूह तक पहुंचाकर लाभ कमाना आसान हो गया है। पर उन्हीं तकनीकों का इस्तेमाल कर लाभार्थियों की पहचान करना भी अब कोई मुश्किल काम नहीं रह गया है। सुरक्षा एजेंसियां चाहें तो डिजिटल फुटप्रिंट को ट्रेस कर कदाचार के हर दोषी तक आसानी से पहुंच सकती हैं। एक बार यह संदेश चला जाए कि भ्रष्टाचारी-कदाचारी बाद में भी पकड़े जा सकते हैं और वे बच नहीं सकते, तो निश्चित रूप से ऐसे प्रयास रुक जाएंगे। सिर्फ कदाचारियों को ही सजा देना ही सही मायने में न्याय होगा।

बिसात पर वंदे मातरम्

हिमाचल विधानसभा सत्र के दो दिन वंदे मातरम् के हलक में चले गए या राष्ट्रगान के बेसुरे अंदाज में धुल गए। यहां न सुर है और न ही ताल, बल्कि सियासी वजीफे में पार्टियां अपने राष्ट्रीय स्टैंड की वकालत कर रही हैं। यहां मसला राष्ट्रगान बनाम राष्ट्रीय गीत न होकर भी उन गढ़े मुर्दों को निकालने का है, जहां स्वतंत्रता का इतिहास भीगी बिल्ली बना है। आजादी को राजनीति की विरासत से बिसात बनाने की कोशिशों में देश भर में आंदोलित भाजपा ने हिमाचल में विधानसभा सत्र की आरजू छीन ली है। बहस के कटोरे में तहस नहस वातावरण बताता है कि इस मुकाबले में राष्ट्र की बात पीछे रह जाएगी। एक नया विवाद वंदे मातरम् के दो छंद गाने से पूरे गाने की तहजीब में बदल रहा है, तो इतिहास की कोख से फिर विवादों की उत्पत्ति में देश की व्यस्तता बढ़ गई है। बंकिम चंद्र चटर्जी के वंदे मातरम् का महत्त्व आजादी के दौर में कांग्रेस के आकाश पर रहा और इसे पार्टी अपने अधिवेशनों में दोहराती रही, लेकिन कुछ अंश पर्दे में ही रहे। अब राष्ट्रगीत को छटांग से सवा सेर बनाने की कोशिश में राष्ट्रगीत के समस्त छंदों की बरसात में राजनीति नहा रही है। आश्चर्य यह है कि भाजपा और कांग्रेस के राष्ट्रीय मंतव्य हिमाचल विधानसभा के प्रवेश द्वार तक लड़ रहे हैं।

आंदोलन .की भाषा में वंदे मातरम् बनाम जन गण मन होने लगा है, तो यह करवटें मानवीय चरित्र की त्रासदी हैं या इस बहाने हम अपने अहम सवालों को पीछे छोडकर एक अनावश्यक बहस के ग्राहक बन जाएंगे। हिमाचल के परिप्रेक्ष्य में कई मुद्दे या सवाल विधानसभा सत्र में अपनी रहनुमाई चाहते हैं, लेकिन सियासी कसौटियां आम नागरिकों की अपेक्षाओं से भिन्न कहीं युद्धरत हैं। पूरे देश की भाषा और अपेक्षाओं का चित्रण जिस तरह जेन जी और जेन अल्फा ने किया है, उसके बाद राष्ट्रीय तरानों में विद्वेष पैदा करके राजनीतिक समझ की दरिद्रता सामने आ रही है, तो यह मुगालता आगे चलकर भारी पड़ेगा। 2026 से हटाकर 1926 में ले जाने की कोशिशें किसी भी सूरत में जेन जी को रास नहीं आएंगी। हिमाचल के राजनीतिक उद्गार वो नहीं जो सदन को न चलने दें, बल्कि वे हैं जो छात्रों एवं युवाओं के मसलों से जुड़े हैं। शिक्षा के कुंठित वातावरण और रोजगार के विकल्पों की तलाशी में, आधुनिक पीढ़ी के सामने समाधान और संकल्प बदलने ही पड़ेंगे। दो दिन सदन की कार्यवाहियों के विघ्न अगर हमारी दिशा है, तो यह भावी पीढ़ी को स्वीकार्य नहीं। उनके मायने, उनके दस्तूर और उनकी प्राथमिकताओं में आ रहे क्रांतिकारी उद्घोष अलग तरह से संबोधित हो रहे हैं, तो उनकी संवेदना को समझना होगा। हिमाचली परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र गान की भूमिका में कैप्टन राम सिंह को याद करने की जरूरत है। धर्मशाला के कैप्टन राम सिहं ने राष्ट्र गान की धुन बना कर इसे जीवंतता प्रदान की थी। आम नागरिक के लिए राष्ट्रगीत और राष्ट्र गान राष्ट्र के जज्बात का पहरा है। जरूरी नहीं कि इनसे सियासी कीमत वसूली जाए। बहरहाल राष्ट्रवाद की नित नई परिभाषा में प्रतीक और प्रतिबिंब बदलने की कोशिशों में सियासी व्यवहार बदल रहा है। देखें यह आसमान इस गहन विषय पर कब तक बादलों से बच पाता है।

बुजुर्ग बोझ नहीं, समाज में अनुभव की संपदा हैं

'भारत लंबे समय तक युवा देश के रूप में पहचाना जाता रहा है, लेकिन अब उसकी जनसंख्या की आयु संरचना तेजी से बदल रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश की लगभग 8 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की थी। भारत एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक देश की 60 वर्ष से अधिक आयु की आबादी 20 प्रतिशत से ज्यादा हो सकती है। यानी आने वाले वर्षों में भारत के सामने वृद्ध होती आबादी की बड़ी चुनौती होगी।'

उमा व्यास

बुजुर्ग किसी भी समाज की वह पीढ़ी हैं, जिसके पास समय के साथ अर्जित अनुभव, समझ और जीवन के अनेक उतार-चढ़ाव से निकली सीख होती है। लेकिन बदलती जीवनशैली और परिवारों की व्यस्तता के बीच नई पीढ़ी और बुजुर्गों के बीच संवाद का समय लगातार कम हो रहा है। हेल्पएज इंडिया की इंडिया इंटरजनरेशनल बॉन्ड्स रिपोर्ट भी इसी बदलते रिश्ते की ओर ध्यान दिलाती है। यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बुजुर्गों के अनुभव को परिवार और समाज की उपयोगी पूंजी में बदला जा सकता है। वृद्धावस्था जीवन का स्वाभाविक पड़ाव है, लेकिन इसे सम्मानजनक और सुरक्षित बनाना परिवार और समाज की जिम्मेदारी है। जिन लोगों ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा परिवार और समाज को दिया, उन्हें उम्र बढ़ने के साथ अकेलेपन और उपेक्षा का सामना न करना पड़े, यह हमारी जिम्मेदारी है।

भारत लंबे समय तक युवा देश के रूप में पहचाना जाता रहा है, लेकिन अब उसकी जनसंख्या की आयु संरचना तेजी से बदल रही है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश की लगभग 8 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की थी। भारत एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार 2050 तक देश की 60 वर्ष से अधिक आयु की आबादी 20 प्रतिशत से ज्यादा हो सकती है। यानी आने वाले वर्षों में भारत के सामने वृद्ध होती आबादी की बड़ी चुनौती होगी। बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं। गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, दृष्टि और श्रवण संबंधी समस्याओं के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी चिंता का विषय बनता है, लेकिन परेशानी केवल बीमारी तक सीमित नहीं है। बच्चों का दूर चले जाना, जीवनसाथी का साथ छूटना, आर्थिक निर्भरता और परिवार में संवाद की कमी भी बुजुर्गों के जीवन को प्रभावित करती है। इसलिए उनकी देखभाल में इलाज के साथ समय, बातचीत, सम्मान और अपनापन भी जरूरी है।

डिजिटल तकनीक के तेजी से विस्तार ने वरिष्ठ नागरिकों के सामने एक नई चुनौती भी खड़ी की है। बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी सुविधाओं का बड़ा हिस्सा तेजी से ऑनलाइन हो रहा है। ऐसे में डिजिटल साक्षरता बुजुर्गों को आत्मनिर्भर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। परिवार और समाज को उन्हें तकनीक से जोड़ने में सहयोग करना चाहिए, ताकि वे रोजमर्रा के जरूरी कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर न रहें। साथ ही, डिजिटल सेवाओं को इस तरह विकसित किया जाना चाहिए कि अधिक उम्र के लोगों के लिए उनका इस्तेमाल सहज और सुरक्षित हो।

विश्व स्तर पर वृद्धावस्था को अब केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं माना जाता। संयुक्त राष्ट्र ने 2021 से 2030 तक के दशक को स्वस्थ वृद्धावस्था का दशक घोषित किया है। इसका उद्देश्य आयु आधारित भेदभाव कम करना, वृद्ध अनुकूल समुदाय बनाना, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और दीर्घकालिक देखभाल को मजबूत करना है। भारत के लिए भी यह जरूरी है कि वृद्धावस्था को केवल परिवार की जिम्मेदारी मानने के बजाय इसे सामाजिक और नीतिगत प्राथमिकता के रूप में देखा जाए। भारत में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए कानूनी व्यवस्थाएं भी मौजूद हैं। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत माता-पिता के भरण-पोषण की जिम्मेदारी संतान पर निर्धारित की गई है। यानी माता-पिता का भरण-पोषण केवल नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि कानून द्वारा निर्धारित दायित्व भी है। वृद्धावस्था पेंशन, अटल वयो अभ्युदय योजना, राष्ट्रीय वयोश्री योजना और एल्डरलाइन जैसी योजनाएं भी वरिष्ठ नागरिकों के लिए चल रही हैं। जरूरत इनके प्रभावी क्रियान्वयन की है, ताकि इनका लाभ वास्तव में जरूरतमंद बुजुर्गों तक पहुंच सके।

शहरों और सार्वजनिक स्थानों को भी बुजुर्गों के अनुकूल बनाया जाना चाहिए, ताकि वे सुरक्षित और आत्मनिर्भर होकर अपनी रोजमर्रा की जिंदगी जी सकें। सुरक्षित पैदल रास्ते, बैठने की पर्याप्त जगह, सुगम सार्वजनिक परिवहन और स्वास्थ्य सुविधाओं तक आसान पहुंच जैसी व्यवस्थाएं उनके जीवन को बेहतर बना सकती हैं। सबसे महत्वपूर्ण भूमिका परिवार की है। वृद्ध माता-पिता को केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि समय, सम्मान और निर्णयों में भागीदारी भी चाहिए। उनके साथ बैठना, उनकी बातें सुनना, उनकी राय लेना और परिवार के फैसलों में उन्हें शामिल करना जरूरी है। माता-पिता का भरण-पोषण बच्चों का कानूनी दायित्व है, लेकिन रिश्तों में अपनापन किसी कानून से नहीं आ सकता।

राष्ट्र को चाहिए कठिनाइयों में अडिग रहने वाली पीढ़ी

'आज का विद्यार्थी ही कल का नागरिक है। वही आगे चलकर सैनिक, चिकित्सक, अभियंता, वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासक, न्यायाधीश, उद्योगपति और जनप्रतिनिधि बनेगा। राष्ट्र की कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने और अपना दायित्व निभाने की क्षमता उसके भीतर विद्यार्थी जीवन में ही विकसित होनी चाहिए। अनुशासन पर भाषण देकर अनुशासित नागरिक तैयार नहीं किए जा सकते। अनुशासन एक जीवन-पद्धति है। उसे नियमित रूप से जीना पड़ता है।'

डॉ.एनएम सिंघवी

हम अपने बच्चों को किस प्रकार का नागरिक बनाना चाहते हैं- सुविधाओं में पला हुआ, हर कठिनाई से बचाया गया नागरिक या कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य पर अडिग रहने वाला नागरिक यह प्रश्न आज हमारी शिक्षा-व्यवस्था के सामने गंभीरता से खड़ा है। आज अनेक स्थानों पर मौसम थोड़ा प्रतिकूल हुआ नहीं कि विद्यालयों में छुट्टी की घोषणा कर दी जाती है। सर्दी अधिक हुई तो छुट्टी, गर्मी बढ़ी तो छुट्टी और वर्षा अधिक हुई तो छुट्टी। निश्चित रूप से अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों में बच्चों की सुरक्षा आवश्यक है, लेकिन हमें यह भी विचार करना चाहिए कि क्या लगातार सुविधा और संरक्षण विद्यार्थी को जीवन की कठिन परिस्थितियों के लिए तैयार करते हैं? सीमा पर तैनात सैनिक के लिए मौसम कोई बहाना नहीं हो सकता। अत्यधिक ठंड हो, प्रचंड गर्मी हो या मूसलाधार वर्षा- राष्ट्र की रक्षा का कर्तव्य अपनी जगह रहता है। युद्ध की स्थिति में सैनिक यह नहीं कह सकता कि मौसम अनुकूल नहीं है, इसलिए आज वह मोर्चे पर नहीं जाएगा।

आज का विद्यार्थी ही कल का नागरिक है। वही आगे चलकर सैनिक, चिकित्सक, अभियंता, वैज्ञानिक, शिक्षक, प्रशासक, न्यायाधीश, उद्योगपति और जनप्रतिनिधि बनेगा। राष्ट्र की कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने और अपना दायित्व निभाने की क्षमता उसके भीतर विद्यार्थी जीवन में ही विकसित होनी चाहिए। अनुशासन पर भाषण देकर अनुशासित नागरिक तैयार नहीं किए जा सकते। अनुशासन एक जीवन-पद्धति है। उसे नियमित रूप से जीना पड़ता है। समय पर उठना, समय पर पहुंचना, निर्धारित वेशभूषा रखना, शारीरिक श्रम करना, वरिष्ठ के निर्देश का पालन करना, अपने साथियों के प्रति उत्तरदायी रहना, कठिनाई में धैर्य बनाए रखना और व्यक्तिगत सुविधा से ऊपर सामूहिक कर्तव्य को रखना- ये संस्कार लंबे समय के अभ्यास से विकसित होते हैं। इसलिए मेरा मानना है कि कुछ सप्ताह के प्रशिक्षण से वह गहरा अनुशासन उत्पन्न करना कठिन है, जो लंबे समय तक सैन्य वातावरण में रहने से विकसित हो सकता है। अनुशासन को केवल सिखाया नहीं जा सकता, उसे जीवन में उतारना पड़ता है।

मेरे विचार में माध्यमिक शिक्षा के बाद प्रत्येक युवक और युवती के लिए दो वर्ष का अनिवार्य राष्ट्रीय अनुशासन एवं सेवा प्रशिक्षण होना चाहिए। यह प्रशिक्षण भारतीय सेना के अनुशासन और प्रशिक्षण-पद्धति से प्रेरित हो तथा सेना के साथ रहकर कराया जाए। इसका उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को सैनिक बनाना नहीं होगा। उद्देश्य होगा- सैनिक जैसा अनुशासित, साहसी, उत्तरदायी और राष्ट्रनिष्ठ नागरिक बनाना। इन दो वर्षों में विद्यार्थी को- शारीरिक प्रशिक्षण, योग और स्वास्थ्य, समयपालन, सामूहिक जीवन, नेतृत्व, प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन, नागरिक सुरक्षा, कठिन परिस्थितियों में कार्य करना, स्वावलंबन, सामुदायिक सेवा, संविधान और नागरिक कर्तव्यों का ज्ञान दिया जा सकता है। सैन्य प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार होना है। सैन्य अनुशासन व्यक्ति को केवल युद्ध के लिए तैयार नहीं करता। वह उसके व्यक्तिव में समयपालन, आत्मसंयम, नेतृत्व, निर्णय क्षमता, कठिनाइयों से जूझने की शक्ति और उत्तरदायित्व की भावना पैदा कर सकता है।

भारत के औद्योगिक इतिहास में जहांगीर रतनजी दादाभाई टाटा (जेआरडी टाटा) इसका एक प्रेरक उदाहरण हैं। उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के समय फ्रांसीसी सेना की विदेशी सेना इकाई में सेवा की और सैन्य जीवन का अनुभव प्राप्त किया। आगे चलकर वे भारत के महान उद्योगपतियों में गिने गए और टाटा समूह को नई ऊंचाइयों तक ले गए। जेआरडी टाटा का उदाहरण यह विचार रखने में सहायक है कि अनुशासन, साहस और कठिन परिस्थितियों में काम करने की क्षमता व्यक्ति के व्यावसायिक और सार्वजनिक जीवन में भी उपयोगी सिद्ध होती है। हमारे विद्यार्थियों को भी ऐसी ही जीवन-दृष्टि की आवश्यकता है- जहां सुविधा से अधिक कर्तव्य, अधिकार से अधिक उत्तरदायित्व और कठिनाई से भागने के बजाय उसका सामना करने का संस्कार विकसित हो। भारत की शिक्षा-व्यवस्था में सरकारी और निजी संस्थानों के बीच अनेक अंतर हैं। राष्ट्रीय अनुशासन के प्रश्न पर ऐसा अंतर नहीं होना चाहिए। चाहे विद्यार्थी सरकारी विद्यालय में पढ़ता हो या अत्यंत महंगे निजी विद्यालय में, सरकारी महाविद्यालय में हो या निजी विश्वविद्यालय में- राष्ट्र के प्रति उसका कर्तव्य समान है, इसलिए राष्ट्रीय अनुशासन का प्रशिक्षण भी समान होना चाहिए।

दो वर्ष का यह प्रशिक्षण शिक्षा से अलग कोई दंडात्मक व्यवस्था नहीं होना चाहिए। इसे उच्च शिक्षा की प्रक्रिया का ही एक अनिवार्य चरण बनाया जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक पढ़ाई भी जारी रखे और साथ-साथ राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्राप्त करे।

बच्चे की सुरक्षा आवश्यक है। मगर सुरक्षा और अति-संरक्षण में अंतर है। हम यदि बच्चे को हर असुविधा से बचाते रहेंगे तो वह असुविधा का सामना करना कब सीखेगा? जीवन में हर दिन मौसम अनुकूल नहीं होगा। काम-धंधा और नौकरी हमेशा सुविधाजनक नहीं होगी। बीमारी, दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा, आर्थिक संकट और राष्ट्रीय संकट किसी पूर्व सूचना के साथ नहीं आते। शिक्षा को विद्यार्थी को इन परिस्थितियों से भागना नहीं, उनका सामना करना सिखाना चाहिए।

हमें ऐसे युवा चाहिए जो कठिन परिस्थिति में घबराएं नहीं, जो संकट में दूसरों की सहायता करें, जो आदेश की प्रतीक्षा किए बिना अपनी जिम्मेदारी समझें और जो व्यक्तिगत सुविधा से ऊपर राष्ट्र तथा समाज के हित को रख सकें। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि सैन्य अनुशासन का अर्थ लोकतांत्रिक स्वतंत्रता समाप्त करना नहीं है। अनुशासन के साथ ही सुदृढ़ लोकतंत्र चल सकता है, अनुशासन के अभाव में स्वतंत्रता अराजकता का रूप ले सकती है। भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है। हमारे युवाओं को अनुशासन के साथ-साथ स्वतंत्र चिंतन, प्रश्न करने की क्षमता, संविधान का सम्मान, कानून का पालन और दूसरों के अधिकारों का सम्मान भी सिखाया जाना चाहिए। हमें आज्ञाकारी नागरिक भर नहीं, विवेकशील और अनुशासित नागरिक चाहिए। सैन्य प्रशिक्षण से हमें उसकी श्रेष्ठ व्यवस्थाएं लेनी चाहिए- समयपालन, शारीरिक क्षमता, उत्तरदायित्व, नेतृत्व, टीम भावना, कठिनाइयों का सामना और राष्ट्रसेवा की भावना और उन्हें लोकतांत्रिक नागरिक जीवन के अनुरूप विकसित करना चाहिए। जब सडक पर नागरिक यातायात नियमों का पालन करता है, कर्मचारी समय पर कार्यालय पहुंचता है, विद्यार्थी अपने कर्तव्य को गंभीरता से लेता है, अधिकारी बिना दबाव के नियमों के अनुसार निर्णय करता है और नागरिक संकट के समय एक-दूसरे की सहायता करते हैं- तभी राष्ट्रीय अनुशासन का निर्माण होता है। यह केवल शिक्षा की आवश्यकता नहीं, राष्ट्र-निर्माण की आवश्यकता है।

हमें कैसी पीढ़ी चाहिए? : आज हमें यह तय करना होगा कि हम आने वाली पीढ़ी को केवल डिग्रियां देना चाहते हैं या जीवन जीने की क्षमता भी। हमारे विश्वविद्यालयों से निकलने वाला युवा केवल रोजगार पाने वाला व्यक्ति न हो। वह समय का मूल्य समझे, अपने दायित्व को पहचाने, कठिनाइयों में धैर्य रखे, समाज के प्रति संवेदनशील हो और आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्र के लिए अपना योगदान देने को तैयार रहे। इसलिए मेरा सुझाव है कि भारत में शिक्षा-व्यवस्था के साथ दो वर्ष का अनिवार्य राष्ट्रीय अनुशासन एवं सेवा प्रशिक्षण सेना के साथ जोडकर कराया जाए। यह प्रशिक्षण किसी एक वर्ग, धर्म, क्षेत्र या आर्थिक स्थिति के युवाओं तक सीमित न हो। भारत का प्रत्येक विद्यार्थी—लडका हो या लडकी, सरकारी संस्था में पढ़ता हो या निजी संस्था में इस राष्ट्रीय प्रशिक्षण का समान सहभागी बने। राष्ट्र के अधिकार सभी नागरिकों पर समान हैं, तो राष्ट्र के प्रति कर्तव्य भी समान होने चाहिए। अंततः प्रश्न इतना ही है- क्या हम अपने बच्चों को जीवन की कठिनाइयों से बचाते रहना चाहते हैं या उन्हें इतना सक्षम बनाना चाहते हैं कि वे कठिनाइयों का सामना कर सकें? हमें संरक्षित बच्चे नहीं, सशक्त नागरिक चाहिए। सशक्त नागरिक केवल पुस्तकों से नहीं बनते। उन्हें अनुशासन, श्रम, कठिनाई, उत्तरदायित्व और सेवा के अनुभव से गढ़ना पड़ता है।

स्वभाव में जीने की कला

डा. रविंद्र सिंह भड़वाल

चिंतन-मनन

जीवन दर्शन से जुड़ा एक बड़ा सुंदर सूत्र है कि न किसी अभाव में जियो और न किसी के प्रभाव में जियो। अपना जीवन केवल अपने स्वभाव में जियो। यह सूत्र प्राचीन भारतीय जीवन-दृष्टि की उस परंपरा से जुड़ा है, जिसमें आत्म-ज्ञान और आत्म-स्वीकृति को मानव जीवन की सर्वोच्च उपलब्धि माना गया है। आज जब दुनिया भर में आपसी स्पर्धा से भरे वातावरण में लोग तनाव और दबाव से ग्रस्त हैं, यह जीवन मंत्र एक बेहतर जीवन जीने के लिए मार्गदर्शन कर सकता है। आधुनिक जीवनशैली, जिसमें उपलब्धियों की तुलना और सामाजिक मान्यता की भूख हावी हो चुकी है, मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप से दूर करती जा रही है। दरअसल, जब हम भीड़ में जाते हैं, तो प्रायः अपने आप को दुनिया की नजरों से देखते हुए कई तरह की तुलना शुरू कर देते हैं। तुलना की यह प्रवृत्ति मनुष्य के सामाजिक स्वभाव का ही एक अंग है, किंतु जब यह अनियंत्रित हो जाती है, तो व्यक्ति के आत्म-सम्मान और आत्म-मूल्य को क्षति पहुंचाने लगती है। उस तुलना के कारण कई बार हमारे विचारों या फिर दूसरों के नकारात्मक विचारों का शिकार होकर हम नकारात्मकता से घिर जाते हैं। मनोविज्ञान ने भी इसे स्वीकार किया है कि हमारा मन-मस्तिष्क नकारात्मक विचारों को सकारात्मक विचारों की अपेक्षा अधिक ग्रहण करता है। इसलिए हमारे मन में स्वाभाविक रूप से ही नकारात्मकता के लिए सहज स्थान उपलब्ध हो जाता है। यही प्रवृत्ति व्यक्ति को अभाव और प्रभाव, दोनों के जाल में फंसा देती है। दरअसल, अभाव की स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब व्यक्ति अपने पास जो कुछ है, उसकी सराहना करने के बजाय जो नहीं है, उसी पर केंद्रित हो जाता है। यह मानसिकता निरंतर असंतोष को जन्म देती है और व्यक्ति को अपने वर्तमान से पलायन की ओर धकेलती है। दूसरी ओर, प्रभाव की स्थिति तब बनती है जब व्यक्ति अपने निर्णयों, विचारों और यहां तक कि अपनी पहचान को भी बाहरी शक्तियों के अधीन कर देता है। दोनों ही स्थितियां मनुष्य को उसके वास्तविक स्वभाव से विलग कर देती हैं। इस तरह की परिस्थितियों में हम प्रायः दूसरों के मंतव्यों का शिकार हो जाते हैं। हमारा जीवन भी दूसरों की सोच के हिसाब से संचालित होने लगता है।

आपके पत्र

भारतीय लोकतंत्र में आरक्षण

भारत में आरक्षण का विषय मात्र एक सरकारी या संवैधानिक नीति नहीं है, बल्कि यह देश के सामाजिक और राजनीतिक विमर्श का सबसे संवेदनशील हिस्सा बन चुका है। हाल के दिनों में सामाजिक माध्यमों पर एक ऐसा संदेश बहुत तेजी से प्रसारित हुआ जिसने देश के कई प्रमुख नेताओं पर सामान्य वर्ग के विरुद्ध राजनीति करने का आरोप लगाया।

इस संदेश में नेताओं पर निशाना साधते हुए सामान्य वर्ग से राजनीतिक रूप से एकजुट होने का आह्वान किया गया। इसके विपरीत, आरक्षण के समर्थकों ने यह स्पष्ट किया कि संविधान द्वारा दी गई इस व्यवस्था का विरोध करना सीधे तौर पर सामाजिक न्याय की मूल भावना का विरोध करना है। इस गहरे वैचारिक टकराव ने एक बार फिर पूरे राष्ट्र को गुटों में बांट दिया है।

आरके वर्मा,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

रोजगार की ओर बढ़ते कदम साहिबगंज में भर्ती-सह-निबंधन कैंप से युवाओं को मिला अवसर

साहिबगंज : जिले के युवाओं और युवतियों को रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ने उनके हुनर को निखारने तथा निजी क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से श्रम नियोजन प्रशिक्षण व कौशल विकास विभाग झारखंड रांची के तत्वावधान में जिला नियोजनालय-सह-मॉडल करियर सेंटर साहिबगंज द्वारा कार्यालय परिसर में भर्ती कैंप-सह-निबंधन कैंप का सफल आयोजन किया गया।

आयोजित भर्ती कैंप में निजी क्षेत्र के कुल 03 स्थानीय नियोक्ताओं ने भाग लिया। विभिन्न पदों के लिए कुल 54 रिक्तियां प्राप्त हुई थीं। भर्ती प्रक्रिया के दौरान 11 अभ्यर्थियों का चयन किया गया जबकि 18 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया।वहीं कैंप के माध्यम से 20 अभ्यर्थियों का झारनियोजन पोर्टल पर निबंधन कराया गया।जिससे उन्हें भविष्य में उपलब्ध रोजगार के विभिन्न अवसरों से जुड़ने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

कैंप में उपस्थित अभ्यर्थियों को रोजगार से जोड़ने के साथ-साथ कौशल विकास के अवसरों की भी जानकारी दी गई। कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित ईडीएस स्किल सेंटर साहिबगंज के प्रतिनिधि द्वारा इच्छुक अभ्यर्थियों को जिले में संचालित कौशल प्रशिक्षण केंद्रों में नामांकन हेतु प्रेरित एवं प्रेषित किया गया।

जिला नियोजनालय द्वारा आयोजित यह पहल जिले के युवाओं के लिए हुनर से रोजगार और रोजगार से आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऐसे भर्ती-सह-निबंधन कैंपों के माध्यम से नियोक्ताओं और रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराया जा रहा है।ताकि स्थानीय युवाओं को अपने ही जिले में निजी क्षेत्र के रोजगार अवसरों से जोड़ा जा सके।करियर मार्गदर्शन और रोजगार सेवाओं की जानकारी कैंप में उपस्थित अभ्यर्थियों को जिला नियोजनालय-सह-मॉडल करियर सेंटर, साहिबगंज द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में यंग प्रोफेशनल राजीव रंजन कुमार, नियोक्ता प्रतिनिधि मुकुल पॉल अर्जुन पाल एवं अमित कुमार सहित कार्यालय के अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 24 सेंटीमीटर ऊपर पहुंचा

साहिबगंज : जिले में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। मंगलवार, 25 अगस्त 2026 को पूर्वाह्न 7:00 बजे गंगा का जलस्तर 27।49 मीटर दर्ज किया गया। यह खतरे के निशान 27।25 मीटर से 24 सेंटीमीटर ऊपर है।जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित व संभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन द्वारा लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की गई है।

ईद मिलादुन्नबी में अशांति फैलाने पर होगी सख्त कार्रवाई

विष्णुगढ़ : ईद मिलादुन्नबी को लेकर विष्णुगढ़ थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी सुभाष सिंह तथा संचालन गुरु प्रसाद साव ने किया। बैठक में प्रखंड के कई जनप्रतिनिधि, गणमान्य एवं दोनों समुदायों के कई लोग शामिल हुए। थाना प्रभारी सुभाष सिंह ने पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारगी के माहौल में मनाने की अपील की। कहा कि पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी और किसी भी प्रकार की अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है।

भ्रामक, आपत्तिजनक या भड़काऊ पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अशांति की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। बैठक में लोगों ने पर्व को आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाने का भरोसा दिलाया। मौके पर खलील अंसारी, अब्बास अंसारी, शंभूलाल यादव, साबिर शेख, एसआई शिवम गुप्ता, सदर इशाक अंसारी समेत कई लोग मौजूद थे।

कटघरा दुमका टीम ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट ट्रॉफी अपने नाम किया

चलकुशा : प्रखंड के ग्राम बरियौन में दिशोम गुरु शिबू सोरेन मेमोरियल क्रिकेट फाइनल टूर्नामेंट मैच कटघरा दुमका और धनबाद के बीच खेला गया।जिसमें कटघरा दुमका की टीम 42 रन से जीत दर्ज कर 70 हजार रुपए का प्रथम पुरस्कार अपने नाम कर लिया। वहीं रनर टीम 35 हजार रूपए पाकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। पुरूस्कार का वितरण मुख्य अतिथि शालिनी गुप्ता के हाथों वितरित किया गया। इस मौके पर जिप सदस्य सविता सिंह, बरकट्ठा इंस्पेक्टर इमदाद अंसारी, थाना प्रभारी नरेंद्र कुमार पांडेय, सांसद प्रतिनिधि अजय सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष वासुदेव यादव, बींस सुत्री अध्यक्ष सलीम अंसारी, मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, सुखदेव यादव, विधायक प्रतिनिधि लखन साव, प्रमुख प्रतिनिधि दीपक चौधरी अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अजमल हुसैन,उप प्रमुख शमसेर आलम,पूर्व पंसस इसलाम अंसारी,महबूब अंसारी, राजेश यादव, अवधेश सिंह, मोहसिन कमाल, तसलीम रजा, इजरायल अंसारी,सइयद अंसारी अन्य लोग उपस्थित थे।

बारिश और श्रावणी मेला के बीच बढ़ा मलेरिया का खतरा संथाल के गोड्डा, साहिबगंज समेत कई जिलों में हजारों केस

देवघर में भी अलर्ट

संवाददाता

देवघर : झारखंड में बारिश के मौसम के साथ मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और कालाजार जैसी वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। लगातार बारिश और जलजमाव के कारण मच्छरों का प्रजनन बढ़ने से इन बीमारियों के फैलने की आशंका भी बनी रहती है। ऐसे में श्रावणी मेला के दौरान देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के देवघर पहुंचने के कारण स्वास्थ्य विभाग के सामने चुनौती और बढ़ गई है।

झारखंड में 17 हजार के करीब मलेरिया के मामले

स्वास्थ्य विभाग के एक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक पूरे झारखंड में करीब 17 हजार मलेरिया के मामले सामने आ चुके हैं। वहीं संथाल परगना प्रमंडल में करीब दो हजार लोगों में मलेरिया की पुष्टि हुई है। संथाल प्रमंडल में गोड्डा और साहिबगंज जिले में मलेरिया के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। ऐसे में पड़ोसी जिलों में बढ़ते मामलों को देखते हुए देवघर में भी बीमारी के प्रसार को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क है।

श्रावणी मेला में तैनात दो पुलिसकर्मी मिले थे मलेरिया पॉजिटिव

देवघर में हाल ही में श्रावणी मेला की ड्यूटी में तैनात कुछ पुलिसकर्मियों में मलेरिया के लक्षण पाए गए थे। जांच के दौरान दो पुलिसकर्मी मलेरिया पॉजिटिव मिले थे। इसके बाद जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल अभियान चलाकर संदिग्ध पुलिसकर्मियों की जांच कराई और पॉजिटिव पाए गए कर्मियों को आइसोलेट कर इलाज शुरू कराया गया।

शहर से लेकर मेला क्षेत्र तक जांच अभियान

देवघर के सिविल सर्जन डॉ। एसपी मिश्रा ने बताया कि श्रावणी मेला के दौरान देवघर में देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में मलेरिया समेत अन्य मच्छरजनित बीमारियों के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

उन्होंने बताया कि मेला के दौरान स्वास्थ्य शिविरों के साथ जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से व्यापक जांच अभियान चलाया गया। शहर के अलग-अलग इलाकों के साथ मेला क्षेत्र में आने वाले संदिग्ध लोगों की जांच की गई। साथ ही मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया को लेकर लोगों को जागरूक भी किया गया।

गंदा पानी जमा नहीं होने देने की अपील

स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने लोगों को घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देने की

सलाह दी है। अधिकारियों के अनुसार, जमा हुआ पानी मच्छरों के प्रजनन का प्रमुख कारण बन सकता है। लोगों से अपील की गई है कि बुखार, सिरदर्द, उल्टी या अन्य संदिग्ध लक्षण दिखाई देने पर खुद से दवा लेने के बजाय तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या डॉक्टर से संपर्क करें। इसके अलावा मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए प्रभावित इलाकों और मेला क्षेत्र में समय-समय पर दवा का छिड़काव भी किया जा रहा है।

मच्छरदानी को बताया मलेरिया से बचाव का सबसे जरूरी उपाय

जिला मलेरिया पदाधिकारी डॉ। अभय कुमार यादव ने बताया कि मलेरिया की रोकथाम में मच्छरदानी का इस्तेमाल बेहद महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को मच्छरदानी उपलब्ध कराई जाती है।

डॉ अभय कुमार यादव ने बताया कि पिछले कुछ महीनो से राज्य सरकार की तरफ से देवघर जिले को एलएलआईएन मच्छरदानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इसे लेकर राज्य सरकार से पत्राचार किया गया है, उम्मीद है कि जल्द ही जिला प्रशासन को मच्छरदानी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास मच्छरदानी उपलब्ध नहीं है, उनके लिए मलेरिया से बचाव चुनौती बन सकता है। ऐसे में एहतियात के तौर पर लोगों को सामान्य मच्छरदानी का इस्तेमाल करने की सलाह दी जा रही है।

बारिश के मौसम में सतर्क रहने की जरूरत

श्रावणी मेला के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी और बारिश के मौसम को देखते हुए मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की रोकथाम स्वास्थ्य विभाग के लिए बड़ी चुनौती है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से बताया गया कि वैक्टर जनित बीमारी के बढ़ने के खतरे को देखते हुए सदर अस्पताल में डेंगू वार्ड भी बना कर रखा गया है। जो विपरीत परिस्थिति में मरीज को राहत पहुंचाएगी।

हालांकि, जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार जांच, जागरूकता, लार्वा नष्ट करने और दवा छिड़काव जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि समय रहते सावधानी और जरूरी स्वास्थ्य उपायों के जरिए बीमारी के प्रसार को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है।

बाढ़ से बचाव और सुरक्षित रहने के लिए जरूरी सावधानियां : उपयुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर व संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए आमजनों से अपील है कि वे घबराएं नहीं प्रशासन द्वारा जारी निदेशों का पालन करें तथा अपनी एवं अपने परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

बाढ़ आने से पहले क्या करें?

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तब तक निर्माण कार्य से बचें, जब तक घर को सुरक्षित बनाने की आवश्यकता न हो। यदि बाढ़ की आशंका हो तो फ्रिज वाटर पंप इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं बिजली के पैनल को ऊँचे स्थान पर रखें। घर की नालियों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने से रोकने के लिए मोटी जालीसीवर ट्रैप लगाएं।

अपने अंचल प्रखंड के अधिकारियों से संपर्क कर बाढ़ से बचाव हेतु उपलब्ध बांध, तटबंध एवं फ्लड वाल आदि की जानकारी रखें। रिसाव रोकने के लिए बेसमेंट को वाटरप्रूफ कम्पाउंड से सुरक्षित करें। जरूरी दस्तावेज, दवाइयाँ, मोबाइल, टॉर्च, पीने का पानी, सूखा भोजन एवं आवश्यक सामान सुरक्षित एवं ऊँचे स्थान पर रखें।

बाढ़ की स्थिति में विशेष सावधानी

सरकारी सूचना के लिए रेडियो, टीवी एवं प्रशासनिक माध्यमों पर जारी निदेशों पर ध्यान दें। अचानक बाढ़ आ सकती है। बाढ़ की संभावना होने पर बिना किसी देरी के

ऊँचे एवं सुरक्षित स्थान पर चले जाएँ। किसी निर्देश की प्रतीक्षा न करें।नदियों, नालों, घाटों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें। तेज बहाव वाले पानी को पार करने का प्रयास न करें। लगभग 6 इंच या उससे अधिक बहते पानी में पैदल न चलें। जहाँ पानी का बहाव तेज हो, वहाँ जाने से पूरी तरह बचें।बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में वाहन न चलाएँ। यदि वाहन पानी में फँस जाए तो सुरक्षित अवसर मिलते ही वाहन छोड़कर ऊँचे स्थान की ओर जाएँ।बाढ़ के पानी में बिजली के उपकरणों को न छुएँ। यदि आप गीले हैं या पानी में खड़े हैं तो विद्युत उपकरणों से बिल्कुल दूर रहें।

गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए विशेष अपील

मछुआरों एवं छोटी नावों के नाविकों को नदी से दूरी बनाए रखने की सलाह दी जाती है। नदी, घाट एवं तेज जलधारा वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचें।आपकी सावधानी ही आपकी और आपके परिवार की सबसे बड़ी सुरक्षा है।बाढ़ से डरें नहीं तैयार रहें सुरक्षित रहें,सतर्क रहें सुरक्षित रहें सुरक्षित स्थान पर रहें।

प्रखंड कार्यालय में मतदाताओं की सुनवाई अधिकारियों ने दस्तावेजों का किया सत्यापन

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एस आईआर को लेकर सोमवार को बरहेट प्रखंड कार्यालय में निर्वाचन संबंधी कार्य जारी रहा।इस दौरान निर्वाचन विभाग की ओर से नोटिस प्राप्त मतदाताओं की सुनवाई की गई।बड़ी संख्या में मतदाता आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रखंड कार्यालय पहुंचे।कार्यक्रम में एडिशनल कलेक्टर विजय कुमार,कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद,जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अनिल कुमार की देखरेख में प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे,झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नाड मरांडी,झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य सह प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान प्रखंड निर्वाचन नोडल पदाधिकारी रुकेश गुप्ता,ऑपरेटर अभिषेक कुमार सहित सभी नामित बीएलओ बिएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर मौजूद रहे।अधिकारियों और निर्वाचन कर्मियों ने मतदाताओं से प्राप्त दस्तावेजों की जांच करते हुए आवश्यक जानकारी दर्ज की।एसआईआर के तहत ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी किया गया था,जिनके द्वारा पूर्व में तैयार की गई मतदाता सूची से संबंधित जानकारी का मिलान नहीं हो पाया था या आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए थे।नोटिस में निर्धारित तिथि पर मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया था।प्रखंड कार्यालय में पहुंचने वाले मतदाताओं के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया तथा उनकी आपत्तियों और दावों को दर्ज किया गया।निर्वाचन कर्मियों ने बताया कि जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद पात्र मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने की कार्रवाई की जाएगी।अधिकारियों ने निर्वाचन कार्य में लगे सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को निर्देश दिया कि एसआईआर से संबंधित कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और मतदाताओं की समस्याओं का नियमानुसार समाधान किया जाए।

नशा से शारीरिक व मानसिक नुकसान होता है : डीएसपी

कटकमसांडी : कटकमदाग प्रखंड के बनादाग उच्च विद्यालय के प्रांगण से दुर्गा मड़प बानादाग तक रन फॉर नशामुक्ति दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ के बाद दुर्गा मंडप के प्रांगण में सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यालय डीएसपी ज्ञान रंजन, कटकमदाग थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, समाजसेवी विवेकानंद सिंह, गुरुकुल कोचिंग के निदेशक जेपी जैन, अवसर संस्था के सचिव विकास कृष्णा गहलोत, अवसर के कोषाध्यक्ष एवं युवा सदस्य शामिल थे। अतिथियों को महिलाओं और युवाओं शॉल व फूल देकर सम्मानित किया। मौके पर डीएसपी ज्ञान रंजन ने कहा कि पहले लोग शराब का नशा करते थे लेकिन अब लोग सूखा नशा भी करने लगे हैं, जिससे लोगों को शारीरिक मानसिक आर्थिक नुकसान और अब सामाजिक नुकसान भी होने लगे हैं। इससे घर की जमा-पूंजी खत्म हो जा रही है।उन्होंने कहा कि नशापान से पारिवारिक कलह बढ़ते हैं और अपनों का विश्वास टूट जाता है। इससे बचने के लिए प्रशासन आपकी हर संभव मदद करने के लिए तत्पर है।

विशिष्ट अतिथि विवेकानंद सिंह ने समाज में हो रहे नशे के खिलाफ अवसर सस्था के इस कदम की सरहाना की। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति के खिलाफ जागरूकता बहुत जरुरी है। हमलोग से जो हो सकेगा नशे के खिलाफ मदद करेंगे। जेपी जैन ने नशा ना करने के लिए युवा और स्थानीय लोगों से आग्रह किया । उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए बहुत घातक है ।आज नशा पर लगाम लगाना अति आवश्यक है। संस्था के सचिव विकास कृष्ण गहलौत ने युवायों से अपील करते हुए कहा कि यदि आपके आस-पास समाज में कोई भी नशा करता है तो उसे रोकना हम सब का जवाब देही है।समाज में रह कर देश के लिए काम करना है। कोई भी नशा करता है तो इसकी सूचना प्रशासन को दे ताकि तेजी से फैल रहे नशाखोरी पर लोगो द्वारा लगाम लगाया जा सके।कटकमदाग थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने कहा कि नशा करने या बेचने वालों का गुप्त सूचना देकर प्रशासन की मदद करें। सूचना देने वालों को सम्मानित और आर्थिक सहयोग किया जाएगा।

जैवलीन थ्रो में अरहम राजा ने जीता रजत पदक, खुटरा पंचायत का बढ़ाया मान

कटकमसांडी : कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र के खुटरा पंचायत निवासी अरहम राजा ने जैवलीन थ्रो प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर अपने प्रखंड व पंचायत का नाम रोशन किया है। पहली बार खुटरा पंचायत के किसी खिलाड़ी ने जैवलीन थ्रो प्रतियोगिता में पदक हासिल किए जाने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।

संगठन की मजबूती से ही समाज की प्रगति संभव : बजरंगी प्रसाद यादव

संवाददाता

साहिबगंज : उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित सर्वोदय नगर,इंदिरा नगर में रविवार को आयोजित राष्ट्रीय यादव महासभा की राष्ट्रीय कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक में झारखंड प्रदेश यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बजरंगी प्रसाद यादव,झारखंड प्रदेश यादव महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष यादव व प्रधान महासचिव इंद्रजीत यादव सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।वही बैठक में मुख्य अतिथि के रूप मे पद्म भूषण से सम्मानित पूर्व लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय यादव महासभा के मुख्य संरक्षक उदय प्रताप सिंह की उपस्थिति थे।बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित एवं राष्ट्रीय यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद चौधरी ने की।बैठक में संगठन की मजबूती विस्तार और समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।इस अवसर पर झारखंड प्रदेश यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि झारखंड में यादव महासभा को और अधिक मजबूत,संगठित व सक्रिय बनाने के लिए संगठनात्मक स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को संगठन से जोड़ना और युवाओं को नेतृत्व की मुख्यधारा में लाना हमारी प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि संगठन तभी मजबूत होगा,जब समाज के सभी वर्गों के लोग

आपसी एकता और भाईचारे के साथ आगे बढ़ेंगे।झारखंड के सभी जिलों प्रखंडों और पंचायत स्तर तक संगठन का विस्तार करते हुए समाजहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया जाएगा।उन्होंने कहा कि शिक्षा रोजगार,सामाजिक सम्मान और युवाओं के भविष्य से जुड़े विषयों पर संगठन सकारात्मक एवं प्रभावी भूमिका निभाएगा।बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि राष्ट्रीय यादव महासभा के मार्गदर्शन में झारखंड प्रदेश यादव महासभा संगठन की एकजुटता और सामाजिक भागीदारी को और व्यापक बनाएगी।हमारा उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार करना नहीं,बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों की आवाज बनना और राष्ट्रहित में अपनी जिम्मेदार भूमिका निभाना भी है।उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि वे आपसी मतभेदों को भुलाकर संगठन की मजबूती के लिए एकजुट हों। उन्होंने कहा कि समाज की एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है और इसी एकता के बल पर यादव समाज को सामाजिक,शैक्षणिक एवं आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

शादी और तलाक की अफवाहों पर गोविंदा ने उठाया सख्त कदम, जारी किया ऑफिशियल नोटिस

बॉलीवुड एक्टर और पूर्व सांसद गोविंदा इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी बताई जा रही दूसरी शादी और पत्नी सुनीता आहूजा से तलाक को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार तरह-तरह की खबरें सामने आ रही हैं। अब इन चर्चाओं के बीच गोविंदा की ओर से एक ऑफिशियल नोटिस जारी किया गया है और अफवाह फैलाने वालों को कड़ी कानूनी चेतावनी दी गई है। हाल ही में सोशल मीडिया पर दावा किया गया था कि गोविंदा ने एक्ट्रेस रानी स्वर्णकार के साथ कथित तौर पर कोर्ट मैरिज कर ली है। इससे पहले उनकी पत्नी सुनीता आहूजा से तलाक को लेकर भी कई रिपोर्ट्स वायरल हुई थीं। इन दावों के बीच अब एक्टर ने अपनी इमेज और पर्सनल लाइफ से जुड़ी जानकारी को लेकर कानूनी रास्ता अपनाया है। गोविंदा की ओर से जारी नोटिस में मीडिया संस्थानों, सोशल मीडिया यूजर्स, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, कंटेंट क्रिएटर्स और यूट्यूब चैनलों को बिना फेक्ट चैक किए उनके या उनके परिवार से जुड़ी कोई भी जानकारी दिखाने या उससे प्रसारित करने से बचने की चेतावनी दी गई है।

एआई और डीपफेक कंटेंट पर भी सख्त चेतावनीः

नोटिस में खास तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीक के जरिए तैयार किए जाने वाले कंटेंट का जिक्र किया गया है। इसमें मॉर्फ्ड तस्वीरें, एडिटेड वीडियो, ऑडियो रिकॉर्डिंग, डीपफेक और अन्य सिंथेटिक कंटेंट शामिल हैं। गोविंदा की ओर से साफ किया गया है कि उनकी आवाज, तस्वीर, पहचान या समानता का इस्तेमाल कर-के उनकी पर्सनल या पारिवारिक जिंदगी से रिलेटेड कोई एआई या डिजिटल कंटेट तैयार करने या उसमें बदलाव करने की अनुमति नहीं दी गई है।

100 करोड़ रुपये तक के दावे की चेतावनी : नोटिस में मानहानि, पर्सनल लाइफ में दखल देने के उल्लंघन, पहचान के गलत इस्तेमाल और साइबर अपराध से जुड़े कानूनों के तहत सिविल और क्रिमिनल कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसमें भारतीय न्याय संहिता, 2023 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के प्रावधानों का भी जिक्र किया गया है। गोविंदा की ओर से यह भी कहा गया है कि कथित तौर पर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ 100 करोड़ रुपये तक के हजार्ने का दावा किया जा सकता है। जरूरत पड़ने पर अदालत से बैंक खातों पर कार्रवाई, संपत्ति के लेन-देन पर रोक और पासपोर्ट से जुड़े कदम उठाने की मांग भी की जा सकती है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी चेतावनी: नोटिस में उन सोशल मीडिया अकाउंट्स और यूट्यूब चैनलों पर भी कार्रवाई की बात कही गई है, जो जानबूझकर गोविंदा और उनके परिवार के बारे में झूठी या गलत जानकारी फैलाते पाए जाते हैं। गोविंदा की ओर से आशंका जताई गई है कि उनकी ऑफिशियल इमेज को नुकसान पहुंचाने के लिए प्लैन्ड तरीके से गलत सूचनाएं फैलाई जा सकती हैं। नोटिस में ऐसी एक्टटीविटीज को उनके लिए मानसिक और सामाजिक नुकसान का कारण बताया गया है।

पर्सनल लाइफ की खबरों पर अब नहीं होगी चुप्पी: गोविंदा की ओर से जारी यह ऑफिशियल नोटिस बताता है कि एक्टर अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी अनकन्फर्मड खबरों और डिजिटल कंटेंट को अब हल्के में लेने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने साफ सिग्नल दिया है कि बिना फेक्ट चेक के शादी, तलाक या परिवार से संबंधित दावे और डिजिटल मैटीरियल सामने आने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, सोशल मीडिया पर चल रहे दावों और अफवाहों को अलग-अलग रखते हुए किसी भी खबर को फैक्ट मानने से पहले ऑफिशियल पुष्टि जरूरी है।

अक्षय कुमार की एलियन एक्शन थ्रिलर समुक की शूटिंग शुरू

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपनी बहुप्रतीक्षित एलियन एक्शन थ्रिलर फिल्म समुक की शूटिंग शुरू कर दी है। विपुल अमृतलाल शाह और कनिष्क वर्मा की यह फिल्म बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है और इसे भारत के बड़े थिएट्रिकल जॉनर स्पेक्टेकल्स में शामिल करने की तैयारी है। विपुल अमृतलाल शाह निर्मित, कनिष्क वर्मा निर्देशित और आशिन ए। शाह सह-निर्मित समुक को पैन-इंडियन थिएट्रिकल फिल्म के रूप में बनाया जा रहा है। फिल्म में मिलिट्री रियलिज्म, सर्वाइवल हॉरर और एलियन माइथोलॉजी का अनोखा मेल देखने को मिलेगा। फिल्म पिछले दो वर्षों से विकास के चरण में थी।

फिल्म के बारे में विपुल अमृतलाल शाह ने कहा कि13 साल के गैप के बाद आज अक्षय कुमार के साथ एक नई जर्नी शुरू करना हम सभी के लिए बेहद खुशी, उत्साह और गर्व का पल है। अक्षय सर के साथ हर बार कुछ बेहतर और कुछ बड़ा करने की चाह हमारी जर्नी की पहचान रही है। इस बार यह चैलेंज पहले से कहीं बड़ा है। मुझे उम्मीद है कि हम साथ मिलकर ऐसा कुछ बनाएंगे, जिसे लोग दिल से पसंद करेंगे। समुक में अक्षय कुमार पहली बार एलियन दुनिया की पृष्ठभूमि में एक्शन करते नजर आएंगे। फिल्म के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिएचर और स्टंट टीम को जोड़ा गया है।

सलमान खान ने की बटवारा 1947 और सनी देओल की तारीफ

आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म बटवारा 1947 हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और इसे देशभर के दर्शकों का प्यार मिल रहा है। फिल्म की अनाउंसमेंट से लेकर दमदार ट्रेलर रिलीज होने तक, इसे दर्शकों और क्रिटिक्स की ओर से लगातार तारीफ मिली है। बंटवारे की पृष्ठभूमि पर इंसानियत की कहानी दिखाने वाली इस फिल्म को इसकी कहानी और शानदार परफॉर्मेंस के लिए खूब सराहा जा रहा है।

फिल्म की कहानी और कलाकारों की परफॉर्मेंस की कई सेलेब्स भी तारीफ कर चुके हैं। हाल ही में करण देओल ने बताया कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने सनी देओल को फोन कर फिल्म और उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ की। सलमान के देओल परिवार के साथ रिश्ते को लेकर करण ने कहा, वह इस परिवार से बहुत प्यार करते हैं। वह हमेशा सपोर्ट करते हैं। वह हमेशा साथ खड़े रहते हैं। उनका प्यार बहुत साथ है। वह वाकई बहुत अच्छे इंसान हैं।

सलमान ने बटवारा 1947 की तारीफ की, इस बात का खुलासा करते हुए करण ने आगे कहा, हां, उन्होंने हमें फोन किया था। उन्होंने कहा कि उन्हें फिल्म पसंद आई और उन्हें इसमें मेरे पिता का काम भी पसंद आया। सलमान की यह तारीफ फिल्म को मिल रही लगातार सराहना में एक और नाम जोड़ती है। फिल्म अपनी इमोशनल कहानी, दमदार परफॉर्मेंस और इंसानियत व एकता के संदेश के जरिए दर्शकों से जुड़ रही है। बटवारा 1947 में शबाना आजमी, सनी देओल, प्रीति जिंटा, करण देओल, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे शानदार कलाकार नजर आ रहे हैं। यह फिल्म करीब तीन दशक बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की बहुप्रतीक्षित वापसी को भी साथ लेकर आई है। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी बटवारा 1947 को नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर राजकुमार संतोषी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म का म्यूजिक ए। आर। रहमान ने दिया है, जबकि इसके गाने जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है और यह 14 अगस्त 2026 को पार्टिशन डे के मौके पर दुनियाभर में रिलीज हुई।

डोंट बी शाय का प्राइम वीडियो पर ग्लोबल प्रीमियर आज

श्रीति मुखर्जी द्वारा लिखित और निर्देशित यह यंग-एडल्ट रोमांटिक कॉमेडी चार नए चेहरों–आरुषि बजाज, अंश दुग्गल, बियांका अरोड़ा और पीयूष खाटी–को मुख्य भूमिकाओं में लेकर बनाई गई है।

प्राइम वीडियो, भारत की सबसे बड़ी एक्सक्लूसिव ओरिजिनल्स स्ट्रीमिंग सर्विस, ने अपनी अपकमिंग प्राइम ओरिजिनल फिल्म डोंट बी शाय के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की तारीख 25 सितंबर घोषित कर दी है। श्रीति मुखर्जी द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म को आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट ने अपने बैनर इंटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस के तहत प्रोड्यूस किया है, जबकि ग्रिश्मा शाह और विकेश भूटानी इसके को-प्रोड्यूसर हैं। यह कमिंग-ऑफ-एज रोमांटिक कॉमेडी चार नए चेहरों आरुषि बजाज, पीयूष खाटी, बियांका अरोड़ा और अंश दुग्गल की कहानी है, जो दोस्ती, पहला प्यार, दिल टूटने, सपनों और एक युवा के तौर पर जिंदगी को समझने की उलझी हुई प्रक्रिया को दिखाते हैं। फिल्म में कुणाल रॉय कपूर, अनुराग बसु, नेहा धूपिया और

अंजू अल्वा नाइक भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया के ओरिजिनल्स के डायरेक्टर और हेड निखिल माधोक ने कहा, डोंट बी शाय हमारी सबसे खास फिल्मों में से एक है और हम आखिरकार इसके ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा करके बहुत खुश हैं। यह फिल्म चार शानदार नए कलाकारों आरुषि, अंश, बियांका और पीयूष को पेश करती है, जो अपने किरदारों में एक नई ताजगी और सच्चाई लेकर आए हैं। श्रीति मुखर्जी के निर्देशन और आलिया व शाहीन भट्ट की क्रिएटिव सोच से बनी डोंट बी शाय दोस्ती, प्यार और बड़े होने के खूबसूरत लेकिन उलझे सफर का दिल से जश्न मनाती है। हम चाहते हैं कि दर्शक शाय की दुनिया में डूब जाएं।

आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट, इंटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस की को-फाउंडर्स ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में कहा, डोंट बी शाय शुरूआत से ही हमारे लिए बेहद खास रही है और हमें इसे इस तरह आकार लेते देखकर बहुत गर्व हो रहा है। यह फिल्म युवा होने के उस दौर की सच्चाई को दिखाती है–वे दोस्तियां जो आपको बदल देती हैं, पहला प्यार जो आपकी जिंदगी पर असर छोड़ता है, वो दिल टूटना जिसे आप लंबे समय तक याद रखते हैं और धीरे-धीरे यह समझने की कोशिश कि आप असल में कौन हैं। हमें सबसे ज्यादा खुशी इस शानदार यंग कास्ट को लेकर है। उनकी एनर्जी, कमजोरी और आपसी केमिस्ट्री बेहद खास है और उन्होंने अपने किरदारों में जान डाल दी है। हम इंतजार नहीं कर सकते कि भारत और दुनियाभर के दर्शक शाय से मिलें और उसकी खूबसूरत, थोड़ी उलझी हुई दुनिया का हिस्सा बनें। डोंट बी शाय का प्रीमियर 25 सितंबर 2026 को भारत समेत दुनियाभर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर होगा। फिल्म हिंदी में अंग्रेजी सबटाइटल्स के साथ स्ट्रीम की जाएगी।

'गनमास्टर जी9' का धांसू टीजर रिलीज, लवर बॉय बनकर फिर लौटे इमरान हाशमी

'**आवारापन 2**' की जबरदस्त सफलता के बाद आप इमरान हाशमी की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे होंगे। आज मेकर्स ने आपके इस इंतजार को और खास बना दिया है, क्योंकि उन्होंने गनमास्टर जी9 का पहला टीजर रिलीज कर दिया है। हिमेश रेशमिया के म्यूजिक और आदित्य दत्त के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म की झलक आपको जरूर एक्साइटेड कर देगी। इमरान के साथ जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना हैं, और नए एक्टर अभिषेक सिंह एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं।

मंगलवार, 25 अगस्त को गनमास्टर जी 9 के मेकर्स ने फिल्म का धांसू टीजर सोशल मीडिया पर साझा किया और कैप्शन में लिखा है, 'जी9 की दुनिया शुरू होती है। रोमांस, म्यूजिक, एक्शन। गनमास्टर जी9 इन सबको एक कहानी में एक साथ लाता है जो आपको एक राइड पर ले जाने के लिए तैयार है। सिनेमाघरों में 27 नवंबर 2026 को।'

क्या है 'गनमास्टर जी9' के टीजर में? : टीजर में इमरान हाशमी को 'रीलोडेड' दिखाया गया है, जब वह अपने प्यार के लिए लड़ रहे हैं। अपने दमदार वॉयसओवर में वह भगवान शिव से प्रार्थना करते हैं कि उनके प्यार तक पहुंचने से पहले कोई उनकी जान न ले। इमरान एक लवर बॉय के रूप में वापस आ गए हैं। हिमेश रेशमिया की म्यूजिक ने उनके लवर बॉय के रूप में जान डालने का काम किया है।

1 मिनट 22 सेकंड के टीजर में जबरदस्त एक्शन और रोमांस से भरी फिल्म की दुनिया की एक झलक मिलती है। टीजर की शुरूआत एक पहाड़ो से घिरे एक मैदान से होती है, जहां कई लोग इमरान पर हमला करते हुए दिखते हैं और उन्हें एक वैन में डाल देते हैं।

इसके बाद बैक ग्राउंड में इमरान हाशमी का वॉयजओवर सुनने को मिलता है, जिसमें वह कहते हैं, मुझे चाहे दुनिया की सबसे बुरी मौत देना, मेरे जिस्म के टुकड़े-टुकड़े कर दे, चाहे गिद्ध और कौओं को खिलवा देना, पर महादेव से इतनी ही विनती है कि जब तक मैं अपने इश्क की दहलीज पर ना पहुंच जाऊं। मेरी सांसे मत लेना' इसमें ऐसे सीन हैं जहां उनका किरदार गुंडों को पीटता हुआ और अपने लेडी लव के साथ समय बिताता हुआ दिखता है, जिसका चेहरा टीजर में नहीं दिखाया गया है। हिमेश रेशमिया के म्यूज़िक के साथ, फिल्म इमरान के पुराने दिनों वाले चार्म को वापस लाने का वादा करती है। बैकग्राउंड में हिमेश का गाना अफसानम सुन सकते हैं, जो आपको 2000 के दशक की शुरूआत में ले जाता है।

भारत हॉकी टीम वर्ल्ड कप से बाहर, अर्जेंटीना से 5-3 से हारकर टूटा खिताब का सपना

एजेंसी/ एम्सटेलवीनः भारतीय पुरुष टीम हाकी वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गई है। उसे सोमवार को अर्जेंटीना ने 5-3 के अंतर से हराया। एम्सटेलवीन के वेगनर स्टेडियम में भारतीय टीम पहले ही मिनट से पिछड़ गई। जब जोआक्विन टोस्कानी ने फील्ड गोल दागा। पांचवें मिनट में निकोलस डेला टोरे ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त को 2-0 कर लिया। 10वें मिनट में सुखजीत सिंह ने फील्ड गोल करके वापसी करवाई। हाफ टाइम तक इंडिया 1-2 से पिछड़ रहा था। तीसरे क्वार्टर में टॉमस डोमेने ने 32वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर और 44वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागे। 52वें मिनट में लुकास टोस्कानी ने फील्ड गोल किया। 57वें मिनट में सुखजीत के फील्ड गोल और 58वें मिनट में हार्दिक सिंह के पेनल्टी स्ट्रेक पर आए गोल ने हार का अंतर कम किया।

इब्राहिम कप्तान, राशिद भी टीम में, भारत से टी-20 सीरीज के लिए अफगानिस्तान टीम घोषित

एजेंसी/ काबुलः भारत टी-20 सीरीज के लिए अफगानिस्तान ने टीम का ऐलान किया है। सितंबर में खेली जाने वाली तीन मैचों की सीरीज में इब्राहिम जादरान कप्तान होंगे। स्टार खिलाड़ी राशिद खान भी टीम में शामिल हैं। सीरीज की तारीखें अभी तय नहीं है। पहले तीनों मैच 13, 15 और 17 सितंबर को होने वाले थे, लेकिन अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड गणेश चतुर्थी को एक मैच रखना चाहता है।

इसके लिए बोर्ड ने बीसीसीआई को नया प्रस्ताव भेजा है। पहले ये मैच 13, 15 और 17 सितंबर को होने थे। अब बीसीसीआई को इन्हें 11, 13 और 14 सितंबर को कराने का प्रस्ताव मिला है। अफगानिस्तान पहली बार भारत के खिलाफ बाइलेटलर सीरीज की मेजबानी करेगा।

अफगानिस्तान– इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेद्दीकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह ओमरजई, गुलबदीन नायब, नूर रहमान, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारुकी, नवीन उल हक, अब्दुल्लाह अहमदजई।

नई जूनियर क्रिकेट कमेटी की तलाश में बीसीसीआई, टीमों के चयन से लेकर टैलेंट स्काउटिंग तक होगी जिम्मेदारी

नई दिल्लीः भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जूनियर क्रिकेट सिलेक्शन कमेटी के पांच पदों के लिए आवेदन मांगे हैं। नई कमेटी अंडर-22 स्तर तक की भारतीय टीमों के चयन, युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा तलाशने और उन्हेंने तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगी। उम्मीदवार पांच सितंबर, 2026 की शाम पांच बजे तक बीसीसीआई की ओर से जारी ऑनलाइन लिंक के जरिए आवेदन कर सकेंगे। मौजूदा जूनियर सिलेक्शन कमेटी के पांच साल का कार्यकाल खत्म होने वाला है। इसी वजह से बीसीसीआई ने नई कमेटी के गठन की प्रक्रिया शुरू की है। नई कमेटी के चयन में खिलाड़ियों के चयन के साथ-साथ युवा क्रिकेटरों में नैतिक मूल्यों और सही खेल भावना को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जाएगा।

जूनियर क्रिकेट कमेटी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी अंडर-22 स्तर तक की भारतीय टीमों का चयन करना होगी। कमेटी घरेलू और विदेशी दौरों के लिए खिलाड़ियों का चयन करेगी। इसके साथ ही युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और स्काउटिंग का काम भी कमेटी के जिम्मे रहेगा। कमेटी को जूनियर क्रिकेट के लिए पारदर्शी तरीके से खिलाड़ियों का चयन करना होगा और उनके प्रदर्शन की समीक्षा भी करनी होगी। नई कमेटी की जिम्मेदारियों में युवा खिलाड़ियों को ड्रग्स, सट्टेबाजी और मैच फिक्सिंग के खतरों के बारे में जागरूक करना भी शामिल किया गया है। बीसीसीआई के मुताबिक, कमेटी सीनियर और पूर्व खिलाड़ियों के साथ बातचीत के जरिए युवा क्रिकेटरों में मजबूत नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देगी। मौजूदा समिति में पांच सदस्यः नई कमेटी के लिए आवेदन इसलिए मांगे गए हैं, क्योंकि मौजूदा पांच सदस्यीय जूनियर सिलेक्शन कमेटी का पांच साल का कार्यकाल खत्म होने वाला है। मौजूदा कमेटी में एस शरत दक्षिण क्षेत्र, चेयरमैन, कृष्ण मोहन उत्तर क्षेत्र, रणदेब बोस पूर्व क्षेत्र, पथिक पटेल पश्चिम क्षेत्र और हरविंदर सिंह सोढ़ी मध्य क्षेत्र शामिल हैं।

योग्यता: जूनियर सिलेक्टर पद के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार का कम से कम 25 फर्स्ट क्लास मैच खेलना जरूरी है। इसके अलावा उम्मीदवार को क्रिकेट से संन्यास लिए हुए कम से कम पांच साल पूरे हो चुके होने चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

पांच सितंबर को दिल्ली में फिर कॉकरोच का मार्च, केंद्र सरकार पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

नई दिल्ली: कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने पांच सितंबर को दिल्ली में राष्ट्रव्यापी शांतिपूर्ण विरोध मार्च का ऐलान किया है। पार्टी ने भारत सरकार पर युवाओं से किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया है। सीजेपी के मुताबिक, 25 जुलाई को सरकार की ओर से किए वादों के बाद देशभर में चल रहे युवा विरोध प्रदर्शनों को भरोसे के साथ वापस लिया गया था। अब तक उन वादों को पूरा नहीं किया गया है। इसी के विरोध में पांच सितंबर को मार्च निकाला जाएगा। शांतिपूर्ण मार्च नई दिल्ली के इंडिया गेट से शुरू होगा। प्रदर्शनकारी यहां से नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय की ओर आगे बढ़ेंगे।

पार्टी ने इसे शांतिपूर्ण विरोध के तौर पर आयोजित करने की बात कही है। इसमें देश के अलग-अलग हिस्सों से छात्रों, युवाओं और युवा संगठनों के शामिल होने की उम्मीद जताई गई है। सीजेपी ने बताया कि मार्च का नेतृत्व नीट परीक्षा से जुड़े मामलों में जान गंवाने वाले छात्रों और पुलिस बर्बरता के पीड़ितों के परिवार करेंगे। इन परिवारों के साथ छात्र और युवा संगठन भी मार्च में शामिल होंगे। इसके अलावा देशभर से युवा नागरिकों के दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है।

अब विदेश जाएगा भारत का आटा, केंद्र सरकार ने मैदा और सूजी के निर्यात से भी रोक हटाई

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने गेहूं के आटे और इससे जुड़े दूसरे उत्पादों के निर्यात पर लगी रोक को तुरंत प्रभाव से हटा दिया है। सरकार के इस फैसले के बाद अब भारत से गेहूं का आटा, मैदा, सूजी, साबुत गेहूं का आटा और अन्य संबंधित उत्पादों को विदेश भेजने की अनुमति मिल गई है। सरकार ने सोमवार को गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों की निर्यात नीति में बदलाव किया। इसके तहत पहले लागू निर्यात प्रतिबंध को हटा दिया गया है। यानी अब इन उत्पादों का निर्यात सामान्य रूप से किया जा सकेगा।

भारत ने 12 जुलाई, 2022 को गेहूं के निर्यात पर रोक लगाई थी। इसका मुख्य कारण घरेलू बाजार में गेहूं और आटे की बढ़ती कीमतें थीं। उस समय रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनियाभर में गेहूं की कीमतों में करीब 40 फीसदी तक तेजी आई थी। भारत से भी बड़ी मात्रा में गेहूं विदेश भेजा जा रहा था। युद्ध के कारण ब्लैक सी क्षेत्र में गेहूं की सप्लाई और ट्रांसपोर्ट पर भी असर पड़ा था। यह क्षेत्र दुनिया के करीब एक चौथाई गेहूं कारोबार से जुड़ा है। ऐसे में भारत ने वैश्विक बाजार में गेहूं की कमी को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, बाद में सरकार ने गेहूं के निर्यात में कुछ ढील दी थी और इस साल इसकी अधिकतम सीमा 50 लाख टन सालाना तय की गई थी। अब नए फैसले के बाद गेहूं के आटे और उससे जुड़े उत्पादों के निर्यात पर लगी पाबंदी पूरी तरह हटा दी गई है। 2022 के बाद पहली बार इन उत्पादों का निर्यात पूरी तरह से मुक्त किया गया है।

भारत बना बॉर्डर और शहरी इलाकों में एंटी-ड्रोन पेट्रोलिंग शुरू करने वाला पहला देश

रांची : इंद्रजाल रेंजर ने होमलैंड-सिक्योरिटी व्हीकल की एक नई कैटेगरी पेश की है। यह एक खास तौर पर तैयार किया गया एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल है, जो तेज रफ्तार से चलते हुए भी रोग ड्रोन्स को डिटेक्ट, ट्रैक, आइडेंटिफाई और काउंटर करने में सक्षम है।पुलिस की गाड़ियां एक सदी से भी ज्यादा समय से शहरों की सड़कों पर पेट्रोलिंग कर रही हैं। अब भारत एक नए तरह का पेट्रोल व्हीकल जोड़ रहा है, जो आसमान में पेट्रोलिंग करेगा अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और सिंगापुर ने मिलिट्री इंस्टॉलेशंस के लिए एडवांस्ड काउंटर-ड्रोन क्षमताएं तैनात की हैं, लेकिन शहरी सुरक्षा में उनकी तैनाती अक्सर प्राइवेट सिक्योरिटी और टेक्नोलॉजी ऑपरेटर्स के जरिए जरूरत के मुताबिक की जाती है। भारत अब सरकारी स्तर पर काउंटर-ड्रोन पेट्रोलिंग को ऑपरेशनल रूप देने में आगे बढ़ रहा है। इसके तहत बॉर्डर सिक्योरिटी और शहरी पुलिसिंग के लिए खास तौर पर तैयार किए गए एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल्स को एक स्थायी होमलैंड-सिक्योरिटी क्षमता के रूप में तैनात किया जा रहा है।

इंद्रजाल ऑटोनॉमस डिफेंस सिस्टम्स और सिग्मा एडवांस्ड सिस्टम्स ने आज भारत सरकार से इंद्रजाल रेंजर के लिए लगभग 155 करोड़ के ऑर्डर्स की घोषणा की। इंद्रजाल-सिग्मा कंसोर्टियम को दिया गया 145 करोड़ का ऑर्डर इस क्षमता को भारत के बॉर्डर-सिक्योरिटी वातावरण में लेकर आता है। वहीं, लगभग 10 करोड़ का अलग अर्बन पुलिस ऑर्डर वीवीआईपी सुरक्षा और शहरी सुरक्षा के लिए रेंजर की तैनाती शुरू करता है मिलकर देखें तो ये तैनाती सिर्फ दो काउंटर-यूएएस खरीद से कहीं बड़ी हैं। ये होमलैंड-सिक्योरिटी इंफ्रास्ट्रक्चर की एक पूरी तरह नई कैटेगरी के उभरने का संकेत देती हैंः एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल।

दिल्ली-एनसीआर में आफत की बारिश, कई इलाकों में जलभराव से लगा जाम

रेड अलर्ट के बीच सड़कें जलमग्न, 18 उड़ानें रद्द,15 डायवर्ट, 350 फ्लाइट्स लेट

नई दिल्ली: दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश में स्थिति खराब हो गई है। जगह-जगह जलभराव और लंबे ट्रैफिक जाम ने लोगों को बेहाल कर दिया है। खराब मौसम की वजह से दिल्ली एयरपोर्ट पर भी उड़ानों पर असर पड़ा है। भारी बारिश के चलते सोमवार को 25 उड़ानें कैंसिल हो गई हैं और 350 से ज्यादा फ्लाइट लेट हुईं, जबकि तीन इंटरनेशनल उड़ानों समेत 15 को डायवर्ट किया गया। इनमें से 12 को दिल्ली से जयपुर, दो को चंडीगढ़ और एक को लखनऊ डायवर्ट किया गया। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह से ही भारी बारिश की दौर जारी रहा। वहीं, संगम विहार, दुर्गा विहार और कनॉट प्लेस में तीन से चार फुट तक पानी भर गया। भारी बारिश से घरों-दुकानों में पानी घुस गया और कई गाडियां फंस गईं।

गुरुग्राम में बारिश के बाद कई जगहों पर जलजमाव हो गया है। शहर के कई हिस्सों में पानी भर गया और दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे और मुख्य सडकों पर ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो गई। गुरुग्राम के सोहना रोड पर बारिश के बाद महाजाम लगा गया। यहां कई घंटों तक लोग जाम में फंसे रहे। भारी बारिश के बीच गुरुग्राम में एक बार फिर वर्क फ्रॉम होम को लेकर एडवाइजरी जारी कर दी गई है। वहीं यूपी के 19 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। काशी में गंगा का पानी बढ़ने से दशाश्वमेध घाट की पुलिस चौकी डूब गई। प्रयागराज के दारागंज घाट के श्मशान डूब गए, जिससे सडकों पर अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश के जबलपुर, चंबल और नर्मदापुरम संभाग में तेज बारिश हुई। प्रदेश के 22 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट है।

होर्मुज में जहाजों से टोल वसूलेगा ईरान, संसद में प्रस्ताव मंजूर, फीस के बदले देगा सुरक्षा-बीमा सुविधा

एजेंसी/ तेहरान/वाशिंगटन: होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अमरीका और ईरान के बीच का विवाद समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। अब इसको लेकर ईरान की संसद ने एक बड़ा कदम उठाया है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी संसद ने अब होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों से टोल यानी फीस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। ईरान ने अब ऐलान कर दिया कि जिन देशों के जहाजों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति होगी, उनसे समुद्री सेवाओं के बदले शुल्क लिया जाएगा।

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता हसन काशकवी ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि फीस के बदले समुद्री सेवाएं, सुरक्षा और इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। वहीं पर्यावरण संबंधी सेवाएं और खास परिस्थितियों में ईंधन भी दिया जाएगा। भुगतान ईरानी रियाल या ईरान की पसंद की किसी दूसरी करंसी में होगा।

हमलावर की शर्तों पर युद्ध खत्म नहीं करेगा तेहरानः ईरान ने कहा है कि वह मौजूदा संघर्ष को उस पक्ष की शर्तों पर खत्म नहीं होने देगा, जिसे वह हमलावर मानता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ईरान अपने देश की क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा के लिए पूरी तरह दृढ़ है।

उन्होंने कहा कि ईरानी अधिकारी देश की रक्षा करने और दबाव के जरिए थोपी गई किसी भी मांग को खारिज करने के अपने संकल्प को स्पष्ट कर चुके हैं। श्री बघाई ने कहा कि हम आक्रामकों के प्रति कोई नरमी नहीं बरतेंगे। ईरान ने युद्ध शुरू नहीं किया था और उसने अपने क्षेत्र, संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई की है।

हथियारों के बल पर बदमाशों ने लूटे 330 किलो इंसानी बाल, कीमत करोड़ों में

गुवाडांगा : लूट और डकैती की घटनाओं में अक्सर सोना-चांदी, नकदी या कीमती आभूषण लूटे जाने की खबरें ही सुर्खियां बनती हैं, लेकिन पड़ोसी देश बांग्लादेश से एक ऐसी हैरान करने वाली वारदात सामने आई है, जिसने पुलिस और आम जनता दोनों को गहरी सोच में डाल दिया है। यहां दिनदहाड़े हथियारों से लैस बदमाशों ने एक वैन को रोककर ऐसा अनोखा सामान लूटा, जिसकी किसी ने सपने में भी कल्पना नहीं की थी। बदमाशों ने करोड़ों रुपये कीमत के इंसानी बालों से भरी बोरियां लूट लीं। हालांकि, पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए पूरा माल बरामद कर लिया है और मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

करोड़ों रुपये के इंसानी बालों पर बदमाशों का डाका : जानकारी के मुताबिक, यह अनोखी लूट बांग्लादेश के चुवाडांगा जिले के दमुरहुदा उपजिला स्थित कोशाघाटा इलाके में शनिवार दोपहर करीब पौने दो बजे हुई। हथियारों से लैस सात-आठ बदमाशों के एक गिरोह ने बीच रास्ते में एक कवर्ड वैन को जबरन रोक लिया। इसके बाद उन्होंने गाड़ी में लदी 23 बोरियां लूट लीं, जिनमें लगभग 330 किलोग्राम इंसानी बाल भरे हुए थे। व्यापारियों द्वारा लगाए गए अनुमान के अनुसार, लूटे गए इन बालों की बाजार में कीमत एक करोड़ टका (करीब 79 लाख भारतीय रुपये) से अधिक आंकी गई है।

प्रोसेसिंग के लिए फैक्ट्री ले जाया जा रहा था कंसाइनमेंट: बांग्लादेश हेयर प्रोसेसिंग स्मॉल बिजनेस कोऑपरेटिव एसोसिएशन के अध्यक्ष अतियार रहमान तगीदार ने इस घटना पर गहरी चिंता जताते हुए बताया कि इन बालों को करपासडांगा की एक फैक्ट्री से प्रोसेसिंग के लिए ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में बदमाशों ने पूरी प्लानिंग के साथ इस खेप को अपना निशाना बना लिया। उन्होंने बताया कि इस कंसाइनमेंट में 22 अलग-अलग व्यापारियों का माल 23 बोरियों में पैक था। हालांकि पुलिस ने लूटे गए बाल सुरक्षित बरामद कर लिए हैं, लेकिन दिनदहाड़े हुई इस दुस्साहसिक वारदात के बाद से स्थानीय व्यापारियों में अपनी सुरक्षा को लेकर भारी खौफ का माहौल पैदा हो गया है।

पुलिस की गिरफ्त में आए फैक्ट्री मैनेजर और ड्राइवर: वारदात की सूचना मिलते ही चुवाडांगा डिस्ट्रिक्ट डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) और दमुरहुदा मॉडल पुलिस स्टेशन की कई टीमों ने एक बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। दमुरहुदा मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी (ओसी) शेख मेस्बाह उद्दीन ने बताया कि इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शक के आधार पर कवर्ड वैन के 47 वर्षीय ड्राइवर मोहम्मद शाहिदुल इस्लाम और फैक्ट्री के 39 वर्षीय मैनेजर सनवर हुसैन संटू को गिरफ्तार कर लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर पुलिस ने इन्हीं दोनों आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए बालों की सभी 23 बोरियां बरामद कर ली हैं।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा भीड़ ने फूंक दिए कई घर, गोलीबारी में सीआपीएफ जवान घायल, हथियारों का जखीरा पकड़ा

एजेंसी/ इंफाल: मणिपुर के सेनापति और उससे सटे कांगपोकपी जिला के सीमावर्ती इलाकों में एक बार फिर हिंसा और गोलीबारी की गंभीर घटना सामने आई है। इस दौरान भीड़ ने कई घरों को आग के हवाले कर दिया और तोडफोड़ की गई। उपद्रवियों की ओर से हुई गोलीबारी में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का एक जवान घायल हो गया। तनाव को देखते हुए नगा जनजातीय संगठनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 2 (एनएच-2, इंफाल-दिमापुर) को पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया है, जिससे मणिपुर और नागालैंड के बीच सडक संपर्क प्रभावित हुआ है। वहीं एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व में हथियारों, गोला-बारूद और सुरक्षा उपकरणों का बड़ा जखीरा बरामद किया। जानकारी के मुताबिक हिंसा की शुरूआत सोमवार तडके लगभग 2:40 बजे ताफू कुकी इलाके से हुई। ताफू कुकी इलाके में तडके एक घर को आग लगा दी गई। सुबह चार बजे के बाद 9 एमआर और मरैमई के आसपास के इलाकों में नगा समुदाय के लोगों के घरों को निशाना बनाने की खबर आई। हिंसा और गोलीबारी के दौरान सीआरपीएफ जवान घायल हो गया।

फिजिक्सवाला पीडब्लूएनएसएटी 2026: टॉप 500 जेईई/नीट छात्रों को मुफ्त पढ़ाई और हॉस्टल, 2.5 करोड़ तक कैश प्राइज जीतने का मौका

रांची : फिजिक्सवाला पीडब्लूएनएसएटी 2026 जेईई/नीट की तैयारी करने वाले टॉप 500 छात्रों को मुफ्त पढ़ाई और हॉस्टल, 2.5 करोड़ तक के कैश प्राइज का मौका । यह फिजिक्सवाला की हर साल होने वाली स्कॉलरशिप पहल है, जिसका मकसद जेईई और नीट की तैयारी करने वाले छात्रों को सपोर्ट करना है। रजिस्ट्रेशन बिल्कुल मुफ्त है और कक्षा श से कक्ष तक के छात्रों के साथ-साथ कक्षा कक्ष पास कर चुके छात्र भी इसमें शामिल हो सकते हैं। यह सुविधा पीसीएम और पीसीबी, दोनों स्ट्रीम के छात्रों के लिए है। इस साल के पीडब्लूएनएसएटी के जरिए योग्य छात्रों को 100% तक ट्यूशन फीस की स्कॉलरशिप मिल सकती है और वे 2.5 करोड़ तक के कैश प्राइज जीत सकते हैं। इसके अलावा, स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत टॉप 500 योग्य छात्रों को मुफ्त पढ़ाई और हॉस्टल की सुविधा भी दी जाएगी। पीडब्लूएनएसएटी 2026 ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों मोड में आयोजित किया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र इसमें हिस्सा ले सकें। ऑनलाइन परीक्षा देने वाले छात्र 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026 के बीच परीक्षा दे सकते हैं। वहीं, ऑफलाइन परीक्षा 3, 4, 10 और 11 अक्टूबर 2026 को देशभर के पीडब्लू विद्यापीठ, पाठशाला और ट्यूशन सेंटरों में आयोजित की जाएगी। रिजल्ट की घोषणा बाद में की जाएगी। फिजिक्सवाला के शिक्षक, फाउंडर और सीईओ, अलख पांडे ने कहा, अच्छी शिक्षा पाने का मौका किसी छात्र की आर्थिक स्थिति पर निर्भर नहीं होना चाहिए।

भारत-रूस में और पक्की हुई दोस्ती

पुतिन से मिले जयशंकर, सौंपा पीएम मोदी का खास संदेश, कई मुद्दों पर चर्चा

मास्को/एजेंसी: विदेश मंत्री एस. जयशंकर दो दिन के रूस के आधिकारिक दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन, विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात कर क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं देते हुए रूसी राष्ट्रपति को उनका व्यक्तिगत संदेश सौंपा। जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के बीच आर्थिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और दोनों देशों के बीच सहयोग की तस्वीर काफी मजबूत है। मॉस्को में भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक के बाद जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनके माध्यम से व्यक्तिगत संदेश भेजा है, जिसे उन्होंने रूसी राष्ट्रपति तक पहुंचाया। जयशंकर ने कहा कि अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई। इसमें व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, परमाणु सहयोग समेत कई अन्य क्षेत्र शामिल रहे।

उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच आर्थिक सहयोग में काफी महत्त्वपूर्ण वृद्धि हुई है। दोनों देश आने वाले समय में इन क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रूस के राष्ट्रपति से एससीओ समिट के दौरान मुलाकात की उम्मीद रखते हैं। इसके बाद भारत ब्रिक्स समिट के लिए रूसी राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए तैयार है। जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों नेताओं की आपसी सुविधा के अनुसार आगे चलकर वार्षिक शिखर बैठक भी आयोजित की जाएगी। जयशंकर ने कहा कि भारत और रूस के बीच सहयोग का दायरा लगातार बढ़ रहा है। व्यापार, ऊर्जा और रणनीतिक क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग को देखते हुए दोनों देशों के संबंधों को लेकर एक मजबूत तस्वीर सामने आती है।

विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति से पूछा, आशा है आप ठीक होंगे: क्रेमलिन में जयशंकर और पुतिन की मुलाकात का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पुतिन क्रेमलिन में गर्मजोशी से जयशंकर का स्वागत करते दिख रहे हैं। जयशंकर के साथ रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार भी थे। पुतिन ने उनसे भी हाथ मिलाया और स्वागत किया। इस दौरान जयशंकर ने पुतिन से पूछा कि आशा है आप ठीक होंगे। पुतिन ने इसका जवाब मुस्कुराते हुए दिया।

सैमसंग टीवी प्लस इंडिया ने 200 चैनलों तक किया विस्तार, एनएच स्टूडियोज के साथ साझेदारी

रांची : सैमसंग टीवी प्लस इंडिया ने अपनी सामग्री पेशकश को 200 स्ट्रीमिंग टीवी चैनलों तक विस्तारित किया है, जिससे भारत में लाखों दर्शकों को मनोरंजन के अधिक विकल्प मिलेंगे। इस विस्तार के तहत सैमसंग टीवी प्लस ने एनएच स्टूडियोज के साथ साझेदारी कर दो नए चैनल–आशीर्वाद टीवी और थलाइवर हिट्स–लॉन्च किए हैं। ये चैनल देशभर के दर्शकों तक कालजयी पौराणिक कहानियाँ और प्रतिष्ठित भारतीय सिनेमा पहुँचाएंगे। भारत के कनेक्टेड टीवी इकोसिस्टम में अपने बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करते हुए सैमसंग टीवी प्लस इंडिया को बीसीएस रत्न अवॉर्ड्स में ह्यसीटीवी प्लेटफॉर्म ऑफ द ईयरह्ल के सम्मान से भी नवाजा गया है।विश्वभर में १० करोड़ से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकताओं के साथ सैमसंग टीवी प्लस दुनिया की सबसे बड़ी सब्सक्रिप्शन-रहित स्ट्रीमिंग सेवाओं में से एक है, जो सैमसंग स्मार्ट टीवी में पहले से इंस्टॉल रहती है। भारत में यह प्लेटफॉर्म मनोरंजन, फिल्मों, समाचार, खेल और क्षेत्रीय सामग्री जैसी विभिन्न श्रेणियों में लगातार विस्तार कर रहा है और उपयोगकताओं को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के प्रीमियम सामग्री की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध करा रहा है।आशीर्वाद टीवी - पर रामायण, श्री गणेशा और ॐ नमः शिवाय जैसे पौराणिक महाकाव्यों सहित कालजयी हिंदी मनोरंजन की चुनिंदा सामग्री उपलब्ध होगी। वहीं, तमिल फिल्म चैनल थलाइवर हिट्स पर महान फिल्मी सितारों–रजनीकांत, जिन्हें स्नेहपूर्वक थलाइवर कहा जाता है, और कमल हासन–की कल्ट क्लासिक और ब्लॉकबस्टर फिल्मों का संग्रह प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें काई कोडुक्कुम और थम्बिक्कु एन्था ऊरु जैसी फिल्में शामिल हैं।

महिला कमांडो तैयार करने के लिए एनएसजी ने देश में पहली बार शुरू किया 'कमांडो कन्वर्जन कोर्स',7

नई दिल्ली: भारत के आतंकवाद-रोधी ढांचे में महिलाओं की भूमिका को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, मानेसर स्थित नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) ट्रेनिंग एकेडमी ने राज्य पुलिस बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की महिला कर्मियों के लिए अपना पहला 'महिला कमांडो कन्वर्जन कोर्स' (एमसीसी) शुरू किया है. सोमवार 24 अगस्त से शुरू होने वाले इस खास 12-हफ़्ते के प्रोग्राम का मकसद चुनिंदा महिला कर्मियों को शारीरिक रूप से मजबूत, तकनीकी रूप से कुशल और ऑपरेशन के लिए तैयार कमांडो में बदलना है, जो आतंकवाद-विरोधी और आंतरिक सुरक्षा अभियानों में मुश्किल जिम्मेदारियां निभाने में सक्षम हों।

इस गहन कोर्स में ट्रेनी को कड़ी शारीरिक ट्रेनिंग, एडवांस्ड हथियार चलाने और निशानेबाजी, टैक्टिकल इंटरवेंशन, बंधकों को छुड़ाने और आतंकवाद-विरोधी अभियानों के अन्य विशेष पहलुओं से गुजरना होगा। यह पहल खास सुरक्षा भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी को काफी बढ़ाती है, खासकर उस क्षेत्र में जहां पारंपरिक रूप से पुरुष कमांडो का दबदबा रहा है।

हालाँकि, इस कार्यक्रम का मकसद सिर्फ ज्यादा प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को जोखिम भरे और मुश्किल मिशनों के लिए जरूरी ऑपरेशनल क्षमता और पेशेवर कौशल से लैस करना भी है। प्लान के अनुसार एनएसजी आतंकवाद-रोधी मामलों में अपनी खास विशेषज्ञता अलग-अलग राज्यों की पुलिस फोर्स और सीएपीएफ की महिला कर्मियों के साथ साझा करेगी।

इससे देश भर में ट्रेंड प्रोफेशनल्स का एक बड़ा ग्रुप तैयार होगा। इस प्रोग्राम से सुरक्षा बलों के बीच एक जैसे प्रोफेशनल स्टैंडर्ड्स को बढ़ावा मिलने और मुश्किल ऑपरेशन्स के दौरान सेंट्रल और राज्य एजेंसियों के बीच आपसी तालमेल बेहतर होने की भी उम्मीद है।

कोर्स पूरा होने पर ट्रेंड कर्मचारी बेहतर ऑपरेशनल स्किल्स और खास जानकारी के साथ अपने-अपने मूल बलों में लौटेंगे। अधिकारी ने कहा कि इससे उनकी क्षमताओं को उनके अपने संगठनों में आतंकवाद-रोधी और सुरक्षा से जुड़ी व्यापक जिम्मेदारियों में शामिल किया जा सकेगा।

न्यूज IN ब्रीफ

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत

मेदिनीनगर : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के बरडीहा गांव के पास सोमवार देर शाम अज्ञात ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार 60 वर्षीय जयराम पासवान की मौत हो गयी। वह बिशनपुर गांव के निवासी थे। परिजनों के अनुसार जयराम बाइक से हुसैनाबाद बाजार जा रहे थे। इसी दौरान बरडीहा के पास पीछे से आ रहे अज्ञात ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों ने उन्हें हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में मेदनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर अस्पताल पुलिस चौकी के पुलिस पदाधिकारी व जवान विकास कुमार और महेंद्र कुमार पहुंचे। पुलिस ने परिजनों से जानकारी लेने के बाद शव का इंक्वेस्ट कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भोलेनाथ की हुई भव्य श्रृंगार और विशेष पूजा

संवाददाता : सावन माह के अंतिम सोमवार के दिन बस स्टैंड हनुमान मंदिर में भोलेनाथ की हुई भव्य श्रृंगार और विशेष पूजा अर्चना श्रवण माह के अंतिम सोमवार के दिन आज शिवालय में भक्त जनों श्रद्धालुओं और लोगों की भीड़ उमड़ी लोग पूजा अर्चना करने के साथ-साथ भोलेनाथ की जमकर जय जयकार लगाया बस स्टैंड स्थित भोलेनाथ मंदिर में भगवान की भव्य श्रृंगार और विशेष पूजा अर्चना के पश्चात व्यापक रूप से प्रसाद वितरण भी किया गया शिव भक्त मंडली के द्वारा श्रवण मां के सभी सोमवार के दिन भगवान भोलेनाथ की विशेष श्रृंगार के साथ-साथ विशेष पूजा अर्चना और भक्तजनों और श्रद्धालुओं के बीच व्यापक रूप से प्रसाद का भी वितरण किया गया गौर तलब हो कि शिव चर्चा मंडली के द्वारा बस स्टैंड स्थित भगवान भोले शंकर के मंदिर में पूजा अर्चना काफी भव्य और आकर्षक के रूप से किया जाता है

भजन कीर्तन से पूरा क्षेत्र हुआ पूजामय

संवाददाता : पोर्टर खोली स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भजन कीर्तन से पूरा क्षेत्र पूजा मय हुआ पोर्टर खोली स्थित 1948 में स्थापित शिव मंदिर में भक्त जनों और श्रद्धालुओं के द्वारा सावन माह के अंतिम सोमवार के दिन प्रातः काल से ही पूजा अर्चना के पश्चात संध्या बेला में जमकर भजन कीर्तन और लोगों के द्वारा भोलेनाथ की जमकर जय जय कारा लगाने के साथ-साथ सावन माह के अंतिम सोमवार को लोगों में गजब का उत्साह और उमंग देखा गया संध्या बेला में मंदिर परिसर में आयोजित भजन कीर्तन काफी अलौकिक रहा लोग भजन में लीन रहे वहीं श्रद्धालुओं के बीच व्यापक रूप से खिचड़ी का भोग भी वितरण किया गया विदित हो कि पोर्टर खोली में प्राचीन शिव मंदिर में यूं तो प्रतिदिन श्रद्धालु और भक्तजनों के उपस्थिति रहती है किंतु सावन माह में लोगों की भीड़ देखते ही बनती है वहीं सोमवार को विशेष पूजा अर्चना और भजन कीर्तन से पूरा माहौल पूजा मय रहा।

वायु सेना के रिटायर ऑफिसर ने स्टेशन को दिया व्हीलचेयर

जमशेदपुर : मानगो डिमना निवासी भारतीय वायु सेना के रिटायर वारंट ऑफिसर जी। कृष्णा कुमार ने मंगलवार को टाटानगर रेलवे स्टेशन पर व्हीलचेयर दिया। ताकि, बुजुर्ग और दिव्यांग यात्रियों को स्टेशन पर आने-जाने में दिक्कत नहीं हो। इस दौरान स्टेशन डायरेक्टर, स्टेशन मैनेजर, पीआरआई व अन्य रेलकर्मी उपस्थित थे। रेलकर्मियों ने यात्रियों सेवा भावना कार्य मे रिटायर ऑफिसर की सराहना कर प्रशंसा पत्र दिया।

खरकाई नदी का जलस्तर फिर बढ़ा, खतरे के निशान के करीब पहुंचा

जमशेदपुर : खरकाई नदी का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। सोमवार अपराह्न चार बजे नदी का जलस्तर 126 मीटर दर्ज किया गया था, जो मंगलवार सुबह आठ बजे बढ़कर 128 ।23 मीटर पहुंच गया। खरकाई नदी का खतरे का निशान 129 मीटर निर्धारित है। ऐसे में नदी का जलस्तर अब खतरे के निशान से महज 0 ।77 मीटर नीचे है ।जानकारी के अनुसार, रायरंगपुर स्थित बैंकवेल के दो और खरकाई डैम के दो गेट खोले गए हैं। गेट खोले जाने के बाद नदी में पानी का प्रवाह बढ़ा है, जिसके चलते जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। जलस्तर बढ़ने से नदी के आसपास रहने वाले लोगों में चिंता बढ़ गई है।

बागबेड़ा आभूषण दुकान से चोरी में दो गिरफ्तार, चांदी बरामद

जमशेदपुर : बागबेड़ा थाना क्षेत्र में आभूषण दुकान में हुई चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें गोपीनाथ मुंडा उर्फ बुलेट और श्रीमंतो गोप शामिल हैं। पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर चोरी किए गए करीब 1.5 किलो चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। सोमवार को सिटी एसपी ने प्रेसवार्ता कर मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बागबेड़ा थाना क्षेत्र स्थित आभूषण दुकान में 19 अगस्त को चोरी की घटना हुई थी। दुकान संचालक की शिकायत पर बागबेड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच के दौरान घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई।

आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर चोरी किए गए चांदी के गहने बरामद किए गए। बरामद आभूषणों का वजन करीब 1 ।5 किलो है। पुलिस ने सामान जब्त कर लिया है। यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना में कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं। आरोपियों के पूर्व आपराधिक मामलों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जमशेदपुर में जेल से छूटे अपराधी की गला दबाकर हत्या, चबूतरे पर फेंका मिला शव

संवाददाता

जमशेदपुर : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के छायानगर में मंगलवार सुबह जेल से हाल ही में छूटे अपराधी चंदन गिरी का शव चबूतरे पर मिलने से सनसनी फैल गई। उसके शरीर पर मिले परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका है।

आशंका है कि चंदन की हत्या किसी दूसरे स्थान पर करने के बाद शव को छायानगर लाकर फेंका गया। पुलिस हत्या के कारणों और इसमें शामिल लोगों की पहचान में जुट गई है।

स्थानीय लोगों ने सुबह चबूतरे पर चंदन का शव पड़ा देखा और इसकी सूचना सीतारामडेरा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी आनंद मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। बाद में चंदन के परिजन भी वहां पहुंचे।

हाल में किया था प्रेम विवाह

चंदन गिरी सीतारामडेरा के होमपाइप का रहने वाला था। उसका आपराधिक इतिहास रहा है और वह कई बार जेल जा चुका था। हाल ही में वह जेल से बाहर आया था। बताया जाता है कि उसने छायानगर की रहने वाली एक युवती से हाल में प्रेम विवाह किया था। ऐसे में पुलिस उसके व्यक्तिगत विवाद और पुराने आपराधिक संपर्कों को भी जांच के दायरे में रखकर आगे बढ़ रही है।

पुरानी रंजिश समेत कई बिंदुओं पर जांच

पुलिस को आशंका है कि पुरानी रंजिश के कारण चंदन की हत्या की गई हो सकती है। हालांकि हत्या की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। थाना प्रभारी आनंद मिश्रा ने बताया कि चंदन की हत्या की गई है। हत्यारों की पहचान और हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सीसीटीवी से खुलेगा राज

पुलिस ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चंदन आखिरी बार कहां और किसके साथ देखा गया था तथा वह छायानगर कैसे पहुंचा। फुटेज से शव को वहां लाने वाले लोगों के संबंध में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है।

विधिक जागरूकता शिविर में दी गई साइबर क्राइम से बचाव की जानकारी

धनबाद : दोलाबड़ पंचायत सचिवालय में सोमवार को डालसा की ओर से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर ग्रामीणों को निशुल्क कानूनी सहायता, साइबर क्राइम से बचाव, बालश्रम, अधिवक्ता एवं स्थायी लोक अदालत, साथी योजना आदि की जानकारी दी गयी। स्थायी लोक अदालत के सदस्य दुर्गाचरण निस्चर, सुधीर कुमार सिंहा, मुखिया सुनिता मल्लिक, नीरज गोयल, शैलेन्द्र झा, बीपीआरओ मो0 आलम, अधिकारमित्र आनंद चक्रवर्त्ती, मनोज कुमार, पंसस, वार्ड सदस्य, आंगनबाड़ी सेविका, रोजगारसेवक, जेएसएलपीएस महिला समिति की सदस्य आदि मौके पर थे।

जमशेदपुर में 50 लाख का गांजा जब्त

ओडिशा से बोलेरो में लाकर सप्लाई करने वाले 6 तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

जमशेदपुर : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत लिट्टी चौक के पास चलाए गए विशेष एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस टीम ने घेराबंदी कर 59 किलो गांजा के साथ 6 अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है।

बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक बोलेरो, एक बाइक, 3000 रुपये नकदी और पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

चेकिंग देखकर भागने की कोशिश में पकड़े गए आरोपी

एसएसपी डॉ. अहतेशाम वकारिब ने बताया कि रविवार देर रात दो बजे से चार बजे तक लिट्टी चौक पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था।

रात लगभग 2:25 बजे एग्रिको गोलचक्कर की ओर से आ रही एक बाइक पुलिस की चेकिंग देखकर अचानक पीछे मुड़कर भागने लगी। पुलिस जवानों ने जब बाइक का पीछा किया तो उनके पीछे आ रही एक सफेद रंग की बोलेरो भी तेजी से भागने का प्रयास करने लगी। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों वाहनों को चारों तरफ से घेर लिया और भाग रहे 6 लोगों को सशस्त्र बल की मदद से दबोच लिया।

दंडाधिकारी की मौजूदगी में हुई तलाशी

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि बोलेरो में गांजा रखा हुआ है, जिसे वे ओडिशा से लाकर जमशेदपुर के स्थानीय खुदरा कारोबारियों को बेचने जा रहे थे।

इसके बाद दंडाधिकारी की मौजूदगी में बोलेरो की गहन तलाशी ली गई, जहां से 59 किलो गांजा बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपियों की सूची और आपराधिक इतिहासः

राजू कुमार राव उर्फ अप्पाः इसके खिलाफ पूर्व में भी ठउद्धर एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

मोतीलाल तांती उर्फ सूरज

गणेश निषाद

संतोष कुमार

लालचंद दास

राकेश प्रधान

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से अधिकांश का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है, जिनके खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी, मारपीट और उत्पाद अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं।

नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार ने दिया इस्तीफा, 2025 में हुई थी नियुक्ति

संवाददाता

पलामू : जिले के नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी में कार्यरत रजिस्ट्रार नफीस अहमद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रजिस्ट्रार ने इस्तीफे के संबंध में एक पत्र एचआरडी और यूनिवर्सिटी कुलपति को भेजा है। नफीस अहमद को 2025 में नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया था।

यूनिवर्सिटी कुलपति ने दी जानकारी

मामले को लेकर नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डॉ दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि इस्तीफे के संबंध में एक पत्र उन्हें मिला है और एचआरडी को भी लिखा गया है। पत्र में कुलसचिव ने निजी कारणों का हवाला दिया है। कुलपति ने बताया कि पत्र में इस बात का जिक्र किया गया है कि एक महीने के बाद कार्य नहीं करने की इच्छा जताई है।

दरअसल नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी में पलामू, गढ़वा एवं लातेहार के हजारों छात्र पढ़ाई करते हैं। 2025 में लंबे अरसे के बाद यूनिवर्सिटी में कुलपति और रजिस्ट्रार की नियुक्ति हुई थी। रजिस्ट्रार के इस्तीफे के बाद यूनिवर्सिटी के प्रशासनिक कार्यों पर प्रभाव पड़ेगा।

2009 में हुई थी यूनिवर्सिटी की स्थापना

नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी की स्थापना 2009 में हुई थी। स्थापना के बाद से ही यूनिवर्सिटी विवादों में रही है। यूनिवर्सिटी में समय-समय पर नियमित कुलपति और कुलसचिव की नियुक्ति नहीं रही है। वर्तमान में नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएशन और कई कोर्स का सेशन देर से चल रहा है। जिसको लेकर छात्र समय-समय पर प्रदर्शन करते रहे हैं। वहीं अचानक कुलसचिव के इस्तीफे से छात्रों के सेशन पर भी असर पड़ सकता है।

झमाडा के 18 इंची पाइप लाइन से आंशिक जलापूर्ति होने से लोगों में रोष

धनबाद : जामाडोबा जल संयंत्र से 18 इंची पाइपलाइन से पाथरडीह सहित कई क्षेत्रों में सोमवार को आंशिक जलापूर्ति होने से लोगों में आक्रोश है। रविवार को जलापूर्ति की उम्मीद थी। लेकिन निचले इलाकों में ही कुछ देर पानी आया। ऊपरी इलाकों में एक बूंद भी नहीं पहुंचा। सावन की अंतिम सोमवारी पर पानी नहीं मिलने से लोगों को परेशानी हुई। डिगवाडीह, भागा, जेलगोड़ा, जोड़ापोखर, फूसबांग्ला और शालीमार सहित कई क्षेत्र के लोग प्रभावित रहे। इस संबंध में झमाडा एसडीओ कृपा शंकर ने बताया कि रात में इंटक वेल के 5 नंबर मोटर पंप में खराबी आने से भंडारण प्रभावित हुआ है। मरम्मत कार्य जारी है, जल्द ही सामान्य जलापूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

टाटा स्टील वेतन समझौता विवाद

1200 से अधिक कर्मियों की भत्ते में कटौती, यूनियन दफ्तर में बढ़ा आक्रोश

जमशेदपुर : टाटा स्टील में 24 जून को फाइनल हुए वेतन समझौते की फिटमेंट स्लिप जारी होते ही कर्मचारियों में गहरा असंतोष फैल गया है। 19 अगस्त को मिली फिटमेंट स्लिप में 1200 से अधिक एनएस ग्रेड कर्मचारियों का 'हायर एजुकेशन एलाउंस' शून्य दशार्या गया है। इस कटौती से आहत कर्मचारी जब अपनी लिखित शिकायत लेकर विभागीय एचआर अधिकारियों के पास पहुंचे, तो उन्हें दो टूक जवाब मिला। एचआर अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि वेतन समझौता संपन्न हो चुका है, इसलिए इससे जुड़े सभी सवालों के जवाब टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष से मांगे जाएं। विभागीय स्तर पर कोई ठोस आश्वासन न मिलने के बाद सोमवार शाम बड़ी संख्या में कर्मचारी टाटा वर्कर्स यूनियन कार्यालय पहुंचे। कर्मचारियों ने वहां मौजूद पदाधिकारियों से जब स्थिति स्पष्ट करने को कहा, तो वे भी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। पदाधिकारियों ने कर्मचारियों को सलाह दी कि वे अपने विभागीय एचआर को सौंपे जाने वाले शिकायत पत्र (ऋ्ष्ठी५ल्ल्ली छी३३ी१) की एक प्रति यूनियन अध्यक्ष को भी अवश्य दें, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कितने कर्मियों ने किन-किन बिंदुओं पर आपत्तियां दर्ज कराई हैं।

इस पूरे मामले पर यूनियन अध्यक्ष का पक्ष जानने के लिए जब उनसे टेलीफोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

हालांकि, मामले की गंभीरता को देखते हुए सोमवार शाम यूनियन के शीर्ष नेतृत्व ने कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और जल्द से जल्द 'विसंगति कमेटी' का गठन कर इस समस्या का अविलंब समाधान निकालने का आग्रह किया है।

पदाधिकारियों की बैठक बुलाने पर अड़े प्रतिनिधि

फिटमेंट स्लिप मिलने के बाद से ही कर्मचारी लगातार यूनियन कार्यालय पहुंचकर सवाल-जवाब कर रहे हैं। शीर्ष नेतृत्व की अनुपस्थिति में बाकी आठ पदाधिकारियों को कर्मचारियों के तीखे सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

इस स्थिति से निपटने के लिए पदाधिकारियों ने अध्यक्ष से जल्द से जल्द 'ऑफिस बियरर्स' की औपचारिक बैठक बुलाने का आग्रह किया है। यूनियन के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में भी कई पदाधिकारियों ने इस विषय पर तुरंत बैठक आयोजित करने की मांग उठाई है। प्रशिक्षुओं ने की मिनिमम गारंटेड बेनीफिट की मांग

दूसरी ओर, 'जॉब फॉर जॉब' योजना के तहत कंपनी में नियोजित हुए कर्मचारी और प्रशिक्षु भी सोमवार शाम अपनी मांगों को लेकर यूनियन कार्यालय पहुंचे। कर्मचारियों का तर्क है कि पिछले वेतन समझौते में प्रशिक्षुओं को भी मिनिमम गारंटेड बेनीफिट का लाभ दिया गया था। चूंकि वे समझौते की अवधि के दौरान कंपनी में बतौर प्रशिक्षु अपनी सेवाएं दे रहे थे।

दुर्गा पूजा पर जमशेदपुर आने वालों की बढ़ेगी टेंशन

दिल्ली, मुंबई और पुणे रूट की ट्रेनें 2 महीने पहले ही फुल

जमशेदपुर : दुगार्पूजा के दौरान टाटानगर आने वाली ट्रेनों में अभी से सीटों की भारी मांग दिख रही है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे और अहमदाबाद रूट की प्रमुख ट्रेनों में स्लीपर से लेकर एसी श्रेणी तक लंबी वेटिंग शुरू हो गई है। कई ट्रेनों में तो फर्स्ट और सेकेंड एसी में भी रिजर्वेशन रिग्रेट हो चुका है।

कई ऐसे शहरवासी जो काम या पढ़ने के सिलसिले में रहते हैं, वे दुर्गा पूजा पर शहर वापस आते हैं लेकिन ट्रेनों में सीटों की जो स्थिति है।

उससे यही प्रतीत हो रहा है कि इस बार उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। क्योंकि जमशेदपुर में फ्लाइट की सुविधा नहीं है और लंबी दूरी से यात्रा के लिए एकमात्र सहारा ट्रेन है, जिसमें दो माह पहले ही वेटिंग शुरू हो गया है।

बेंगलुरु-पुणे रूट पर सबसे ज्यादा है दबाव

सबसे अधिक दबाव बेंगलुरु और पुणे रूट पर है। 12890 बेंगलुरु-टाटानगर में स्लीपर में 134 और थर्ड एसी में 116 वेटिंग है। वहीं 12221 हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस में थर्ड एसी की वेटिंग 45 पहुंच गई है और फर्स्ट एसी में रिजर्वेशन रिग्रेट हो चुका है।

दिल्ली और मुंबई रूट पर भी स्थिति सामान्य नहीं है। 12101 ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के सेकेंड एसी में अभी से रिग्रेट है। वहीं 18029 शालीमार एक्सप्रेस के स्लीपर में 76 और थर्ड एसी में 46 वेटिंग है।

ऐसे में दुगार्पूजा पर दूसरे शहरों में काम करने वाले जमशेदपुर और आसपास के युवाओं के लिए घर लौटना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। विशेषकर बेंगलुरु, पुणे और मुंबई से टाटानगर आने वाले यात्रियों को वैकल्पिक ट्रेनों और यात्रा माध्यमों की तलाश करनी पड़ सकती है।

बीसीसीएल में संडे ड्यूटी पर कैंची की तैयारी, 80-100 करोड़ रुपये खर्च बचाने की कवायद

संवाददाता

धनबाद : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) में संडे ड्यूटी में कटौती कर कंपनी के खर्च को कम करने की तैयारी चल रही है। कंपनी की आंतरिक रिपोर्ट में विभागीय स्तर पर कर्मचारियों की अपेक्षित उपयोगिता नहीं होने का उल्लेख किया गया है।

रिपोर्ट के आधार पर संडे ड्यूटी की व्यवस्था की समीक्षा कर कंपनी करीब 80 से 100 करोड़ रुपये की बचत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

कंपनी प्रबंधन की ओर से सभी क्षेत्रों में संडे ड्यूटी की उपयोगिता और आवश्यकता को लेकर गंभीरता दिखाई जा रही है। इसका असर श्रमिकों पर भी पड़ने लगा है। प्रबंधन का जोर इस बात पर है कि जिन विभागों और कार्यस्थलों पर रविवार को वास्तव में काम की जरूरत है, वहीं आवश्यकतानुसार ड्यूटी लगाई जाए।

काम कहीं और, संडे बुकिंग कहीं और होने का आरोप

इधर, सीवी एरिया सहित अन्य कुछ एरिया क्षेत्रों में संडे ड्यूटी की बुकिंग और वास्तविक कार्यस्थल को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कुछ श्रमिक संगठन से जुड़े पदाधिकारी या कर्मचारी एक स्थान पर कार्य करते हैं, जबकि उनकी संडे ड्यूटी की बुकिंग किसी दूसरे स्थान पर की जाती है।

सीवी एरिया, कुसुंडा, लोदना और बस्ताकोला क्षेत्र समेत कई कोलियरियों में इस तरह की शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है।

यदि इन शिकायतों की स्वतंत्र और गोपनीय जांच कराई जाती है, तो संडे ड्यूटी की बुकिंग और वास्तविक उपस्थिति के बीच अंतर की स्थिति स्पष्ट हो सकती है। ऐसे मामलों में संबंधित रिकॉर्ड, ड्यूटी बुकिंग और कार्यस्थल पर उपस्थिति की जांच महत्वपूर्ण होगी।

लिपिकों की संडे ड्यूटी भी जांच के दायरे में

संडे ड्यूटी को लेकर कुछ लिपिकों की हाजिरी और उनके कार्य की प्रकृति पर भी सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि कुछ स्थानों पर रविवार को छुट्टी बुकिंग जैसे कार्यालयी कार्यों के लिए लिपिकों की ड्यूटी लगाई जाती है। ऐसे मामलों में यह देखना जरूरी होगा कि संबंधित कार्य के लिए वास्तव में रविवार को ड्यूटी की आवश्यकता थी या नहीं।

श्रमिक संगठनों को भी करनी होगी समीक्षा

संडे ड्यूटी में कटौती का सीधा असर श्रमिकों की आय पर पड़ सकता है। ऐसे में श्रमिक संगठनों के लिए भी यह जरूरी हो जाता है कि वे वास्तविक कार्य की जरूरत, ड्यूटी बुकिंग और कर्मचारियों की उपस्थिति की व्यवस्था की समीक्षा करें।